



भारत का राजपत्र The Gazette of India

असाधारण

EXTRAORDINARY

भाग I—खण्ड 1

PART I—Section 1

प्राधिकार से प्रकाशित

PUBLISHED BY AUTHORITY

सं. 418]

नई दिल्ली, शुक्रवार, नवम्बर 21, 2008/कार्तिक 30, 1930

No. 418]

NEW DELHI, FRIDAY, NOVEMBER 21, 2008/KARTIKA 30, 1930

वाणिज्य एवं उद्योग मंत्रालय

(वाणिज्य विभाग),

(पाटनरोधी एवं सम्बद्ध शुल्क महानिदेशालय)

अधिसूचना

नई दिल्ली, 21 नवम्बर, 2008

अंतिम जांच परिणाम

(निर्णायक समीक्षा)

विषय : चीन जन.गण. तथा कोरिया आरओके के मूल के या वहां से निर्यातित कास्टिक सोडा के आयातों से सम्बन्धित पाटनरोधी (निर्णायक समीक्षा) जांच ।

सं. 15/11/2007-डीजीएडी.—वर्ष 1995 में यथासंशोधित सीमाशुल्क टैरिफ अधिनियम, 1975 (जिसे एतदपश्चात् अधिनियम कहा गया है) और सीमाशुल्क टैरिफ (पाटित वस्तुओं की पहचान, उन पर शुल्क का आकलन एवं वसूली तथा क्षति निर्धारण) नियमावली, 1995 (जिसे एतदपश्चात् नियमावली कहा गया है) को ध्यान में रखते हुए;

क. पृष्ठभूमि:

2. चूंकि वर्ष 1995 में यथासंशोधित सीमाशुल्क टैरिफ अधिनियम, 1975 तथा सीमाशुल्क टैरिफ (पाटित वस्तुओं का अभिज्ञान, उन पर शुल्क का आकलन एवं संग्रहण तथा क्षति निर्धारण) नियमावली, 1995 को ध्यान में रखते हुए निर्दिष्ट प्राधिकारी (जिसे एतदपश्चात् प्राधिकारी कहा गया है) ने चीन जन.गण. तथा कोरिया आरओके (जिन्हें एतदपश्चात् सम्बद्ध देश कहा गया है) के मूल के अथवा वहां से निर्यातित कास्टिक सोडा (जिसे एतदपश्चात् सम्बद्ध वस्तु कहा गया है) के आयात पर पाटनरोधी शुल्क लगाने की अनुशंसा की थी । प्राधिकारी के प्रारंभिक जांच परिणाम और अंतिम जांच परिणाम क्रमशः दिनांक 21-09-2002 और 4-8-2003 की अधिसूचनाओं द्वारा प्रकाशित किए गए थे । जांच परिणामों के आधार पर राजस्व विभाग द्वारा क्रमशः 26-12-2002 की अधिसूचना सं. 142/2002-सी.शु. और 23-9-2003 की अधिसूचना सं. 142/2003-सी.शु. के तहत सम्बद्ध देशों से आयातित सम्बद्ध वस्तु पर अंतिम शुल्क और निश्चयात्मक पाटनरोधी शुल्क लगाया गया था ।

3. निर्दिष्ट प्राधिकारी को उक्त अधिनियम की धारा 9 क (5) के अनुसार सम्बद्ध वस्तु पर लगाए गए पाटनरोधी शुल्क की समीक्षा करने और उसे आगे और 5 वर्ष तक इस आधार पर जारी रखने का अनुरोध करते हुए मै. अल्कली मैनुफैक्चरर्स एसोसिएशन ऑफ इंडिया, नई दिल्ली से एक पुष्टीकृत आवेदन प्राप्त हुआ कि सम्बद्ध देशों से सम्बद्ध वस्तु के आयातों पर पाटनरोधी शुल्क लगाए जाने के बावजूद पाटन जारी है और घरेलू उद्योग को सम्बद्ध देशों द्वारा पाटन के कारण क्षति होना

जारी है। यह भी दावा किया गया था कि संबद्ध देशों के खिलाफ उपाय को समाप्त किए जाने से घरेलू उद्योग को पाटन और क्षति जारी रहने या उसकी पुनरावृत्ति होने की संभावना रहेगी। निर्दिष्ट प्राधिकारी ने इस बात की जांच करने के लिए कि क्या पाटनरोधी शुल्क समाप्त किए जाने से पाटन, क्षति या दोनों के जारी रहने या उनकी पुनरावृत्ति होने की संभावना रहेगी, पाटनरोधी (निर्णायक समीक्षा) शुरू करते हुए दिनांक 22.11.2007 को एक सार्वजनिक सूचना सं. 15/11/2007-डीजीएडी जारी की, जिसे भारत के राजपत्र, असाधारण में प्रकाशित किया गया है।

ख. प्रक्रिया

4. इन कार्रवाइयों में निम्नलिखित प्रक्रिया अपनाई गई है :

- i) समीक्षा शुरू करने के बाद प्राधिकारी ने संगत सूचना मांगने के लिए नियम 6(4) के अनुसार जांच शुरूआत संबंधी अधिसूचना के साथ संबद्ध देशों के ज्ञात निर्यातकों/उत्पादकों को प्रश्नावलियां भेजीं;
- ii) नियमानुसार संगत सूचना मांगते हुए भारत में घरेलू उद्योग को भी सूचनाएं भेजी गई थीं;
- iii) नियम 6(2) के अनुसार जांच की शुरूआत के बारे में नई दिल्ली स्थित संबद्ध देशों के दूतावासों को इस अनुरोध के साथ सूचित किया गया था कि वे निर्धारित समय के भीतर प्रश्नावली का उत्तर देने के लिए अपने देशों के निर्यातकों/उत्पादकों को सलाह दें;
- iv) नियम 6(4) के अनुसार आवश्यक सूचना मांगते हुए भारत में संबद्ध वस्तु के ज्ञात आयातकों और उपभोक्ताओं को प्रश्नावलियां भेजी गई थीं;
- v) वाणिज्यिक आसूचना एवं सांख्यिकी महानिदेशालय (डीजीसीआईएंडएस) से जांच अवधि और पिछले तीन वर्षों के लिए आयातों के सौदेवार आंकड़े मांगे गए थे और उन पर इस जांच में भरोसा किया गया है ;
- vi) जांच शुरूआत संबंधी अधिसूचना की प्रतियां व्यापक परिचालन हेतु फिक्की, सीआईआई और एसोचेम को भी भेजी गई थीं;
- vii) मै. हन्हवा कैमिकस कारपोरेशन कोरिया आरओके ने जांच शुरूआत संबंधी अधिसूचना का उत्तर दिया और सूचना उपलब्ध करवाई। निर्यातक द्वारा उपलब्ध कराई गई सूचना का संभव सीमा तक सत्यापन किया गया है और इस जांच परिणाम में भरोसा किया गया है।
- viii) घरेलू उद्योग होने के नाते मै. अल्कली मैन्युफैक्चरर्स एसोसिएशन ऑफ इंडिया ने सूचना/आंकड़े प्रस्तुत किए। प्राधिकारी ने हुई क्षति की जांच करने, उत्पादन की इष्टतम लागत, भारत में संबद्ध वस्तु को बनाने और बेचने की लागत निकालने तथा इस बात का पता लगाने कि क्या पाटन मार्जिन से कमतर पाटनरोधी शुल्क घरेलू उद्योग को हुई क्षति को समाप्त करने के लिए पर्याप्त होगा, सामान्यतः स्वीकृत लेखा सिद्धांतों (जीएएपी) के आधार पर संभव सीमा तक घरेलू उद्योग द्वारा प्रस्तुत सीमा का सत्यापन किया;
- ix) प्राधिकारी ने पक्षकारों की मौखिक सुनवाई करने के लिए 17.9.2008 को एक सार्वजनिक सुनवाई आयोजित की जिसमें हितबद्ध पक्षकारों के प्रतिनिधियों ने भाग लिया। हितबद्ध पक्षकारों से प्राप्त लिखित अनुरोधों पर इस जांच परिणाम में विचार किया गया है;
- x) नियम 6(7) के अनुसार प्राधिकारी ने अनुरोध पर निरीक्षण हेतु विभिन्न हितबद्ध पक्षकारों द्वारा प्रस्तुत समस्त साक्ष्य के अगोपनीय रूपांतरण वाली सार्वजनिक फाइल सभी हितबद्ध पार्टियों के लिए अनुरोध पर निरीक्षण हेतु उपलब्ध रखी ;

- xi) जांच शुरूआत संबंधी अधिसूचना के उत्तर में और सार्वजनिक सुनवाई के बाद विभिन्न हितबद्ध पार्टियों द्वारा व्यक्त विचारों पर उस सीमा तक संगत पैराग्राफों में विचार किया गया है जिस सीमा तक ये नियमानुसार संगत हैं और मामले पर प्रभाव डालते हैं ;
- xii) उपर्युक्त नियमावली के नियम 16 के अनुसार इस जांच परिणाम के लिए विचारित आवश्यक तथ्यों/आधार का खुलासा हितबद्ध पार्टियों को किया गया था और उन पर प्राप्त टिप्पणियों पर भी इस जांच परिणाम में विधिवत विचार किया गया है ।
- xiii) यह जांच 1-7-2006 से 30-6-2007 तक की जांच अवधि के लिए की गई थी । तथापि, क्षति विश्लेषण वर्ष 2004-05, 2005-06, 2006-07 और जांच अवधि के लिए किया गया है ।

ख.1 विचाराधीन उत्पाद तथा समान वस्तु

5. वर्तमान मामले में विचाराधीन उत्पाद कास्टिक सोडा है जिसे रासायनिक रूप से एनएओएच के नाम से जाना जाता है । एक निर्णायक समीक्षा जांच होने के कारण वर्तमान आवेदन वही है जैसा कि मूल जांच में रहा है । मूल जांच के अंतिम जांच परिणामों में निर्दिष्ट प्राधिकारी ने विचाराधीन उत्पाद को निम्नानुसार परिभाषित किया है:

6. वर्तमान जांच में विचाराधीन उत्पाद कोरिया आरओके के तथा चीन जन.गण. के मूल का या वहां से निर्यातित सोडियम हाइड्रोक्साइड (जिसका रासायनिक नाम एनएओएच) है, जिसे आम तौर पर कास्टिक सोडा के रूप में जाना जाता है, वर्गीकृत है । कास्टिक सोडा एक अकार्बनिक, साबुनी, अत्यधिक क्षारीय, गंधहीन रसायन है जिसका उपयोग मुख्यतः लुग्दी और कागज, अखबारी कागज, विस्कोस यार्न, स्टेपल फाइबर, एल्यूमीनियम, कपास, वस्त्र, प्रसाधन और कपड़े धोने के साबुनों, प्रक्षालकों, रंजक सामग्री, औषध एवं भेषज, पेट्रोलियम शोधन इत्यादि जैसे विभिन्न क्षेत्रों में किया जाता है ।

7. कास्टिक सोडा सीमाशुल्क टैरिफ अधिनियम, 1975, के अध्याय 28 के सीमाशुल्क शीर्ष 28.15.11 तथा 28.15.12 के अंतर्गत वर्गीकृत है । आईटीसी 8 अंकीय वर्गीकरण के अनुसार यह उत्पाद सीमाशुल्क शीर्ष 2815.1101, 2815.1102 तथा 2815.1200 के अंतर्गत वर्गीकृत है ।

8. कास्टिक सोडा का उत्पादन मरकरी सैल प्रोसेस, डायफ्राम प्रोसेस तथा मेम्ब्रेन प्रोसेस जैसी तीन प्रौद्योगिकीय प्रक्रियाओं द्वारा दो रूपों अर्थात् तरल तथा ठोस में किया जाता है । तरल रूप को ठोस में और ठोस रूप को तरल में आसानी से और उत्पाद के रासायनिक गुणधर्मों में किसी परिवर्तन के बिना किया जा सकता है । ठोस रूप का आसानी से भंडारण और उसकी दुलाई की जा सकती है जबकि तरल रूप आसानी से घुल जाता है । अंतिम उपयोग हेतु दोनों रूप प्रतिस्थापनीय और एक दूसरे के स्थान पर प्रयोज्य हैं । घरेलू उद्योग कास्टिक सोडा का आयात दो रूपों में किया जाता है और संबद्ध देशों से हुए आयातों से तुलनीय है । इसलिए इसे नियमावली के नियम 2(ख) के अर्थ के भीतर संबद्ध वस्तु माना जा रहा है ।

ख.2 घरेलू उद्योग

9. वर्तमान जांच में आवेदन घरेलू उद्योग की ओर से मै. अल्कली मैन्युफैक्चरर्स एसोसिएशन आफ इंडिया द्वारा दायर किया गया था । जांच के प्रयोजनार्थ निम्नलिखित घरेलू उत्पादकों द्वारा सूचना/आंकड़े उपलब्ध किए गए थे:

- गुजरात अल्कलीज एंड कैमिकल्स लि.
- इंडियन पेट्रोकेमिकल्स कारपोरेशन लि.
- एसआईईएल कैमिकल कम्पलैक्स
- श्रीराम अल्कलीज एंड कैमिकल्स
- बिहार कास्टिक्स एंड कैमिकल्स
- ग्रासिम इंडस्ट्रीज लि.
- जयश्री कैमिकल्स
- श्रीराम विनायल, कोटा

ख.3 हितबद्ध पक्षकारों (मै. हन्हवा कैमिकल्स कारपोरेशन, मै. हन्हवा कारपोरेशन, ट्राइकॉन इनर्जी लि. तथा मै. हिन्दुस्तान यूनीलिवर लि.) के विचार

क) घरेलू उद्योग के घटक और असहयोगी घरेलू उत्पादक

10. यह आरोप लगाया गया है कि याचिकाकर्ता उद्योग/एसोसिएशन ने प्राधिकारी द्वारा जांच की, परिस्थितियों और समय को आधार बनाए जाने से पूर्व इस जांच में भाग लेने के लिए हमेशा अपनी सुविधानुसार एसोसिएशन के सदस्यों को बाहर/शामिल किया जाता रहा है । याचिकाकर्ता द्वारा ये कारण बताए गए हैं कि इस जांच में जिन कंपनियों ने सहयोग किया है वे घरेलू उद्योग का एक बड़ा भाग हैं और इसलिए उनमें घरेलू उद्योग के क्षति संबंधी आंकड़े प्रदर्शित होते हैं । यह अनुरोध किया गया है कि यदि याचिकाकर्ता द्वारा बताए गए कारण सत्य हैं तो अधिकांश प्रतिस्पर्धियों में से जांच-दर-जांच चुनिंदा भागीदारी के लिए पर्याप्त उचित कारण देना अनिवार्य है । इसके अलावा, जिन याचिकाकर्ताओं ने इस जांच में "जरूरत के आधार पर" भागीदारी की है, वहीं ऐसे अन्य घरेलू उत्पादक हैं जिन्होंने जांच में भाग नहीं लिया है और इसके साथ-साथ उनका समग्र घरेलू उद्योग में एक बड़ा भाग बनता है । वास्तविक स्थिति से "आधार" संबंधी मुद्दे की सही स्थिति का पता नहीं चलता है अपितु इस पर जांच विश्लेषण करते समय विचार किए जाने की स्पष्ट जरूरत है ।

ख) लागत निर्धारण का मुद्दा

11. यह अनुरोध किया गया है कि विश्वभर में प्रचालनात्मक और वित्तीय रूप से उत्पादित कास्टिक सोडा तथा क्लोरीन को दो उत्पाद माना जाता है । रासायनिक विधि यह है कि कास्टिक सोडा के उत्पादन हेतु अभिक्रियाओं में अनिवार्यतः क्लोरीन का उत्पादन होता है और यह कि कास्टिक सोडा तथा क्लोरीन की लागत/कीमत घनिष्ट रूप से संबद्ध होती है और इसका आकलन ईसीयू की अवधारणा के अनुसार किया जाता है ।

12. घरेलू उद्योग पर लागत लेखा रिकार्ड (कास्टिक सोडा) नियम, 1967 लागू होते हैं । उपर्युक्त नियमावली के लागत विवरणों की मद VII के खण्ड "ख" के अंतर्गत निम्नानुसार उल्लेख है:

"जहां एक प्रक्रिया से एक से अधिक उत्पादों का उत्पादन होता है, वहां अलग-अलग उत्पादों के लिए लागत का आबंटन कुछ उचित आधार पर किया जाएगा और यह संगत अवधि के दौरान सुसंगत रूप से लागू होगा । उक्त प्रक्रिया से उत्पादित अलग-अलग उत्पादों को आबंटित इस प्रकार की संयुक्त लागत के आधार का उल्लेख लागत रिकार्डों में किया जाएगा । जहां उत्पादित क्लोरीन गैस का पूर्ण उपयोग अन्य उत्पादों के उत्पादन या बिक्री के लिए नहीं किया जाता है वहां यदि कंपनी ऐसा करना चाहती है तो उसे प्रपत्र "क" में किए गए प्रावधान के अनुसार क्लोरीन गैस की संयुक्त लागत के एक भाग का आबंटन करने के बजाय उक्त प्रपत्र में हाइड्रोजन की लागत के रूप में एक पृथक मद के रूप में दर्शाया जाएगा ।"

13. कास्टिक सोडा नियमावली के अंतर्गत क्लोरीन की लागत का उल्लेख करने से इस बात की पुष्टि होती है कि क्लोरीन और कास्टिक सोडा सह-उत्पाद हैं और इस प्रकार कास्टिक सोडा के विनिर्माता की लागत/लाभप्रदता का निर्धारण करते समय क्लोरीन और कास्टिक सोडा (ईसीयू) से कुल प्राप्ति पर विचार करना जरूरी है । अतः अनुरोध है कि माननीय निर्दिष्ट प्राधिकारी के लिए ईसीयू आधार पर विनिर्माण लागत तथा लाभप्रदता पर गौर करना जरूरी है ।

ख.4. प्राधिकारी द्वारा जांच

14. हितबद्ध पक्षकारों (मै. हन्हवा केमिकल कार्पोरेशन, मै. हन्हवा कार्पोरेशन, ट्राइकोन इनर्जी लि. और मै. हिंदुस्तान यूनीलीवर लि.) ने यह तर्क दिया है कि क्लोरीन और कास्टिक सोडा सह-उत्पाद हैं और इस प्रकार कास्टिक सोडा विनिर्माताओं के लागत/लाभप्रदता का निर्धारण करते समय क्लोरीन और कास्टिक सोडा से कुल प्राप्ति पर विचार किए जाने की जरूरत है । दूसरे शब्दों में यह तर्क दिया गया है कि कास्टिक सोडा की लागत की गणना अपनाई गई पद्धति से भिन्न तरीके और घरेलू उद्योग द्वारा ऐतिहासिक रूप से रखी गई रिकार्ड पुस्तिकाओं के अनुसार की जानी चाहिए । तथापि, सहयोगी निर्यातकों की बिक्री लागत के निर्धारण हेतु इस बात पर जोर दिया गया था कि बिक्री लागत का निर्धारण उनके द्वारा रखे गए रिकार्डों की पुस्तिकाओं के अनुसार की जानी चाहिए न कि किसी अन्य पद्धति द्वारा । प्राधिकारी ने यह नोट किया है कि लागत घटक को एंडीए के अनुच्छेद 2.2.1.1 तथा पाटनरोधी नियमावली के अनुबंध-1 के पैरा-1 के अनुसार निर्यातक या उत्पादक द्वारा रखे गए रिकार्ड पुस्तिकाओं के अनुसार हिसाब में लिया गया है । अतः प्राधिकारी ने समस्त हितबद्ध पक्षकारों अर्थात् सहयोगी निर्यातक और घरेलू उद्योग के अलग-अलग उत्पादकों द्वारा रखी गई रिकार्ड पुस्तिकाओं के आधार पर लागत घटकों की गणना की है ।

ग. पाटन मार्जिन की गणना हेतु कार्य प्रणाली

पाटन का निर्धारण: सामान्य मूल्य, निर्यात कीमत तथा पाटन मार्जिन

कोरिया आरओके

15. प्राधिकारी ने धारा 9 क (1)(ग) के अनुसार सामान्य मूल्य के निर्धारण के प्रयोजनार्थ समस्त ज्ञात निर्यातकों को प्रश्नावली की प्रतियां भेजी । कोरिया आरओके के एक निर्यातक मै. हन्हवा कैमिकल्स कारपोरेशन (एचसीसी) ने जांच शुरूआत संबंधी अधिसूचना का उत्तर दिया और निर्धारित निर्यातक प्रश्नावली में सूचना उपलब्ध कराई । यह स्पष्ट किया गया था कि संबद्ध वस्तु का उत्पादन एचसीसी, उत्पादक द्वारा किया गया है और उसकी बिक्री संबद्ध कंपनी हन्हवा कारपोरेशन के जरिए की गई है ।

16. एक अन्य कंपनी ट्राइकॉन इनर्जी लि., यूएसए ने भी एचसीसी द्वारा उत्पादित और भारत को बेची गई संबद्ध वस्तु के लिए जांच शुरूआत संबंधी अधिसूचना का उत्तर दिया और निर्यात प्रश्नावली के बारे में सूचना उपलब्ध कराई । एचसीसी द्वारा उत्पादित वस्तु की बिक्री हन्हवा कारपोरेशन के जरिए ट्राइकॉन इनर्जी को की गई थी जिसने बाद में इसकी बिक्री भारत को की थी ।

17. एचएचसी ने जांच अवधि के दौरान घरेलू बाजार में संबद्ध वस्तु की बिक्री की है । घरेलू बिक्री सौदों के नमूने का सत्यापन मौके पर जांच के दौरान किया गया था । कंपनी द्वारा उत्पादित वस्तु की घरेलू बिक्री के सौदों पर सामान्य मूल्य के निर्धारण हेतु विचार किया गया है ।

कोरिया आरओके के लिए सामान्य मूल्य

18. सहयोगी निर्यातक मै. हन्हवा कैमिकल कारपोरेशन (एचसीसी) ने घरेलू बाजार में बिक्री के सौदे-वार ब्यौरे के बारे में सूचना उपलब्ध करायी । यह स्पष्ट किया गया था कि घरेलू बाजार में वस्तु की डिलीवरी क्रेता के स्थान के अनुसार यातायात के अलग-अलग साधनों से की गई थी । घरेलू बिक्री हेतु बीजक विलयन एमटी आधार पर तैयार किया गया था लेकिन जांच के प्रयोजनार्थ इसे शुष्ट एमटी आधार (डीएमटी) में परिवर्तित किया गया है । सामान्य मूल्य के निर्धारण के प्रयोजनार्थ कंपनी द्वारा उत्पादित वस्तु की घरेलू बिक्री को ध्यान में रखा गया है । ऋण, आंतरिक परिवहन, बीमा, हैंडलिंग तथा कमीशन के लिए समायोजनों का दावा किया गया है । समायोजन हेतु दावा किए गए व्यय की अनुमति परीक्षण सत्यापन के बाद दी गई है । समायोजनों के बाद सामान्य मूल्य का निर्धारण *** अम.डा. डीएमटी के रूप में किया गया है ।

हन्हवा कारपोरेशन तथा मै. ट्राइकॉन इनर्जी लि., यूएसए के लिए निर्यात कीमत

19. मै. हन्हवा कारपोरेशन ने भारत को निर्यात बिक्री के बारे में सौदे-वार सूचना उपलब्ध करायी । निर्यात कीमत के निर्धारण हेतु केवल उन्हीं सौदों पर विचार किया गया है जिनके लिए सौदों की पूर्ण श्रृंखला की पुष्टि हो सकी है । अन्य देश में संबद्ध कंपनी के लिए बीजक में उल्लिखित उस वस्तु को शामिल नहीं किया गया है जिसके लिए श्रृंखला की पुष्टि नहीं हो सकी । ट्राइकॉन इनर्जी यूएसए के जरिए की गई निर्यात बिक्री को भी ध्यान में रखा गया है । निवल निर्यात कीमत के निर्धारण हेतु मै. ट्राइकॉन इनर्जी द्वारा लाभ के अलावा बीमा एवं भाड़े आदि के लिए किए गए व्यय का समायोजन किया गया है । हन्हवा कारपोरेशन के जरिए की गई बिक्री हेतु निवल निर्यात कीमत की गणना हेतु समुद्रपारीय भाड़े, ऋण एवं बैंक व्यय का समायोजन किया गया है । इन कटौतियों के बाद निवल निर्यात कीमत की गणना *** अम.डा. डीएमटी के रूप में की गई है ।

असहयोगी निर्यातकों के लिए निर्यात कीमत

20. असहयोगी निर्यातों के लिए निवल निर्यात कीमत की गणना सहयोगी उत्पादक/निर्यातक के न्यूनतम मूल्य वाले निर्यात सौदे के आधार पर की गई है। असहयोगी निर्यातक के लिए निवल निर्यात कीमत की गणना *** डीएमटी की गई है।

चीन जन.गण.

21. प्राधिकारी ने चीन जन.गण. के निर्यातकों को निर्यातक प्रश्नावली तथा बाजार अर्थव्यवस्था संबंधी व्यवहार हेतु प्रश्नावली की प्रतियां भेजी। निर्यातक मै. एस.पी. केमिकल (ताइजिंग) कं. लि. ने जांच शुरुआत संबंधी अधिसूचना का उत्तर दिया और सूचना उपलब्ध कराई। बाद में कंपनी ने प्राधिकारी के पत्रों का उत्तर नहीं दिया और इंगित की गई कमियों में सुधार नहीं किया। कंपनी को असहयोगी घोषित किया गया था। एक निर्यातक मै. ट्राइकॉन इनर्जी लि., यू.एस.ए. ने भारत को किए गए निर्यातों के बारे में सूचना उपलब्ध कराई जिसकी खरीद मै. एस.पी. केमिकल्स से की गई थी। चूंकि चीन के किसी उत्पादक ने इस जांच में सहयोग नहीं दिया है और पाटनरोधी नियमावली के अनुबंध-1 के पैरा 8 (2) के अनुसार गैर-बाजार अर्थव्यवस्था के व्यवहार का खंडन करने के लिए कोई सूचना उपलब्ध नहीं कराई है इसलिए पाटनरोधी नियमावली के अनुबंध-1 के पैरा 8(2) के अनुसार गैर-बाजार अर्थव्यवस्था का अनुमान अखंडित रहता है। अतः प्राधिकारी ने उक्त अनुबंध के पैरा-7 के अनुसार सामान्य मूल्य का निर्धारण किया है। किसी सूचना के अभाव में प्राधिकारी ने "अथवा किसी अन्य उचित आधार" की पद्धति को अपनाकर सामान्य मूल्य निर्धारित किया है।

चीन जन.गण. के लिए सामान्य मूल्य

22. प्राधिकारी ने सामान्य मूल्य का परिकलन कच्ची सामग्री की घरेलू कीमत, (डीजीसीआईएंडएस के अनुसार कच्ची सामग्री की अंतर्राष्ट्रीय कीमतें प्रस्तुत नहीं की गई थी और ये कच्ची सामग्री की घरेलू कीमत से काफी अधिक थी) घरेलू उद्योग के खपत मानक और परिवर्तन लागत को ध्यान में रखकर किया है। इसमें 5% की दर से लाभ मर्जिन जोड़ा गया है। इस पद्धति द्वारा तरल के लिए ***अम.डा. डीएमटी और ठोस के लिए ***अम.डा. डीएमटी के रूप में सामान्य मूल्य का निर्धारण किया गया है।

मै. ट्राइकॉन इनर्जी लि., यू.एस.ए. के लिए निर्यात कीमत

23. निर्यातक मै. ट्राइकॉन इनर्जी लि. ने कोरिया आरओके और चीन जन.गण. से खरीदी गई संबद्ध वस्तु के लिए भारत को किए गए निर्यातों के निर्यातवार सौदे के ब्यौरे उपलब्ध कराए हैं। निर्यात कीमत के निर्धारण हेतु चीन से हुए निर्यात और की गई खरीद के सभी सौदों को हिसाब में लिया गया है। एसपी केमिकल द्वारा ट्राइकॉन इनर्जी को बिक्री एफओबी आधार पर की गई थी लेकिन ट्राइकॉन इनर्जी द्वारा भारत में बिक्री सीआईएफ या सीएफआर आधार पर की गई थी। कारखाना निर्यात कीमत का निर्धारण करने के लिए आंतरिक परिवहन तथा अन्य विविध व्यय के लिए किए गए खर्च को मै. ट्राइकॉन इनर्जी लि. हेतु मै. एस.पी. केमिकल्स से बिक्री कीमत में से समायोजित किया गया है। इस पद्धति द्वारा निर्यात कीमत की गणना ***अम.डा. डीएमटी के रूप में की गई है।

चीन जन.गण. के असहयोगी निर्यातकों के लिए निर्यात कीमत

24. प्राधिकारी ने नोट किया कि डीजसीआईएंड एस तथा वल्ड ट्रेड एटलस में (चीन सीमाशुल्क के आंकड़ों के आधार पर) सूचित मात्रा एवं कीमत में काफी अंतर है। निर्यात कीमत का निर्धारण वल्ड ट्रेड एटलस के आंकड़ों के आधार पर किया गया है। निर्यात कीमत के निर्धारण हेतु सूचित किए गए सभी सौदों पर ध्यान दिया गया है और निर्यात कीमत की गणना भारत औसत आधार पर की गई है। निवल निर्यात कीमत की गणना करने के लिए आंतरिक भाड़े एवं व्यापार हैंडलिंग प्रभारों पर किए गए व्यय की कटौती की गई है। इस पद्धति द्वारा तरल के लिए ***अम.डा. डीएमटी और ठोस के लिए ***अम.डा. डीएमटी के रूप में सामान्य मूल्य का निर्धारण किया गया है।

पाटन मार्जिन

25. उपर्युक्तानुसार निर्धारित सामान्य मूल्य और निर्यात कीमत के आधार पर प्राधिकारी ने पाटन मार्जिन का निर्धारण निम्नानुसार किया है :

पाटन मार्जिन

निर्यातक/उत्पादक	सामान्य मूल्य अम.डा./डीएमटी	निर्यात कीमत अम.डा./डीएम टी	पाटन मार्जिन अम.डा./डीएम टी	पाटन मार्जिन %
मै. एस.पी.केमिकल्स से मै. त्रिकोन इनर्जी लि.	***	***	***	17.91
चीन के असहयोगी निर्यातक (तरल)	***	***	***	***
चीन के असहयोगी निर्यातक(ठोस)	***	***	***	***
चीन से असहयोगी निर्यातक (औसत)	***	***	***	65.08
हान्वाह केमिकल कार्पोरेशन	***	***	***	-1.21
कारिया आरओके को असहयोगी निर्यातक	***			8.18

घ. क्षति निर्धारण हेतु कार्य प्रणाली तथा कारणात्मक संबंध की जांच

क्षति निर्धारण

क्षति का जारी रहना

प्राधिकारी द्वारा जांच

26. प्राधिकारी ने यह नोट किया है कि निर्णायक समीक्षा हेतु सीमाशुल्क टैरिफ अधिनियम की धारा 9(क)(5) के संगत उपबंध निम्नानुसार हैं:

"इस धारा के अंतर्गत लगाया गया पाटनरोधी शुल्क जब तक उसे समाप्त न किया जाए, इस प्रकार से लगाए जाने की तारीख से 5 वर्ष की समाप्ति पर निष्प्रभावी हो जाएगा :

परंतु यदि किसी समीक्षा में केन्द्र सरकार का यह मत हो कि ऐसे शुल्क की समाप्ति से पाटन तथा क्षति के जारी रहने या उसकी पुनरावृत्ति होने की संभावना है तो वह इस प्रकार से लगाए गए शुल्क की अवधि को समय-समय पर आगे और 5 वर्ष के लिए बढ़ा सकती है और आगे की ऐसी अवधि इस प्रकार के समय विस्तार के आदेश की तारीख से शुरू होगी।"

27. पाटनरोधी नियमावली के नियम 23 में निर्णायक समीक्षा करने की प्रक्रिया का प्रावधान है। समीक्षा करने के लिए नियम 6,7,8,9/10, 11, 16,17,18,19 और 20 को लागू किया गया है। प्राधिकारी नोट करते हैं कि नियमों के अनुसार क्षति की वर्तमान स्थिति का निर्धारण निर्णायक समीक्षा में करना होता है।

28. इस संबंध में पाटनरोधी करार के अनुच्छेद 3.1 और पाटनरोधी के अनुबंध-II में (क) पाटित आयातों की मात्रा और समान उत्पादों के लिए घरेलू बाजार में कीमतों पर पाटित आयातों के प्रभाव; तथा (ख) पाटित आयातों के मात्रात्मक प्रभाव के बारे में ऐसे उत्पादों के घरेलू उत्पादकों पर इन आयातों के परिणामी प्रभाव; दोनों की तथ्यपरक जांच का प्रावधान है। प्राधिकारियों के लिए इस बात की जांच करना अपेक्षित होता है कि क्या आयातों में समग्र रूप में अथवा आयातक सदस्य में उत्पादन या खपत की तुलना में पर्याप्त वृद्धि हुई है। जहां तक पाटित आयातों के कीमत प्रभाव का संबंध है, प्राधिकारियों के लिए यह जांच करना अपेक्षित है कि क्या आयातक देश ने समान उत्पाद की कीमत की तुलना में पाटित आयातों द्वारा कीमत में भारी कटौती हुई है अथवा क्या ऐसे आयातों के प्रभाव से कीमतों में अन्यथा पर्याप्त स्तर तक गिरावट आई है अथवा कीमत में होने वाली उस वृद्धि में रुकावट आई है जो अन्यथा पर्याप्त स्तर तक बढ़ गई होती।

29. क्षति की वर्तमान स्थिति का निर्धारण करने के प्रयोजनार्थ प्राधिकारी ने घरेलू उद्योग पर संबद्ध वस्तु के पाटित आयातों के मात्रा एवं कीमत प्रभाव तथा कीमत एवं लाभप्रदता पर उसके प्रभाव की जांच की है ताकि क्षति की मौजूदगी और पाटन एवं क्षति के बीच कारणात्मक संबंध, यदि कोई हो, की जांच की जा सके।

(क) मात्रात्मक प्रभाव: पाटित आयातों का मात्रात्मक प्रभाव और घरेलू उद्योग पर प्रभाव:

30. संबद्ध देश से पाटित आयातों के मात्रात्मक प्रभाव की निम्नानुसार जांच की गई है:

संबद्ध देशों की आयात मात्रा तथा बाजार हिस्सा:

विवरण	इकाई	2004-05	2005-06	2006-07	जुलाई,06-जून 07(जांच अवधि)
आयातों में बाजार हिस्सा					
कोरिया आरओके	मी.ट.	17,960	22,016	14,907	23,421
चीन जन.गण.	मी.ट.	59	14,373	98,424	91,537
संबद्ध देश	मी.ट.	18,019	36,390	1,13,331	1,14,958

देश, जिन पर पहले से पाटनरोधी शुल्क लागू है	मी.ट.	16,144	16,239	28,813	16,163
अन्य देश	मी.ट.	25,359	1,897	6,136	2,829
कुल आयात	मी.ट.	59,522	54,526	1,47,480	1,33,950
प्रवृत्ति	सूचीबद्ध	100	91.61	247.78	225.04
आयातों में बाजार हिस्सा					
कोरिया आरओके	%	30.17	40.38	10.11	17.48
चीन जन.गण.	%	0.10	26.36	66.74	68.34
संबद्ध देश	%	30.27	66.74	76.84	85.82
देश, जिन पर पहले से पाटनरोधी शुल्क लागू है	%	27.12	29.78	18.99	12.07
अन्य देश	%	42.60	3.48	4.16	2.11

31. यह नोट किया गया है कि डीजीसीआईएंड एस द्वारा उपलब्ध कराए गए आयात की मात्रा और मूल्य के आंकड़ों और वर्ल्ड ट्रेड एटलस से उपलब्ध आंकड़ों में काफी अंतर है । कोरिया आरओके से आयातों के सत्यापित सौदों से इस बात की पुष्टि की गई थी कि आयातों के सभी सौदे डीजीसीआईएंडएस के आंकड़ों में नहीं दिए गए हैं तथापि डीजीसीआईएंडएस ने आयातों के सौदेवार आंकड़े उपलब्ध कराए हैं जिन पर इस जांच परिणाम विश्लेषण हेतु भरोसा किया गया है । आंकड़ों से यह पता चलता है कि संबद्ध देशों से आयात वर्ष 2004-05 में 18,019 से बढ़कर जांच अवधि में 1,14,958 मी.ट. हो गए हैं । कुल आयात 59,522 मी.ट. से बढ़कर 1,33,950 मी.ट. हो गए हैं । संबद्ध देशों का आयातों में हिस्सा वर्ष 2004-05 में 30.27% से बढ़कर जांच अवधि में 85.82% हो गया है । इसी अवधि के दौरान पहले से शुल्क अधिरोपित देशों का हिस्सा 27.12% से घटकर 12.07% हो गया है ।

32. यह नोट किया गया है कि आधार वर्ष की तुलना में जांच अवधि में संबद्ध वस्तु की मांग में 13% की वृद्धि हुई है । संबद्ध देशों का बाजार हिस्सा जो वर्ष 2004-05 में 1% से कम था वह जांच अवधि में बढ़कर 5.44% हो गया है ।

मांग, उत्पादन और बाजार हिस्सा

विवरण	इकाई	2004-05	2005-06	2006-07	जांच अवधि
मांग	मी.ट.	18,64,193	19,58,812	20,86,990	21,14,738
प्रवृत्ति	सूचीबद्ध	100	105.08	111.95	113.44
घरेलू उद्योग	मी.ट.	7,49,242	7,92,046	8,06,912	8,44,811
आबद्ध खपत	मी.ट.	1,67,570	1,58,397	1,58,422	1,70,353
अन्य उत्पादकों की बिक्री	मी.ट.	8,87,859	9,53,844	9,74,176	9,65,624
आयात- संबद्ध देश	मी.ट.	18,019	36,390	1,13,331	1,14,958
आयात- अन्य देश	मी.ट.	41,502	18,136	34,149	18,992
मांग में बाजार हिस्सा					
घरेलू उद्योग (आबद्ध सहित)	%	49.18	43.52	46.25	48.00
अन्य भारतीय उत्पादक	%	47.63	48.70	46.68	45.66

कोरिया से आयात	%	0.96	1.12	0.71	1.11
चीन जन.गण. से आयात	%	0	0.73	4.72	4.33
संबद्ध देश	%	0.97	1.86	5.43	5.44
अन्य देश जिन पर शुल्क लागू है	%	0.86	0.82	1.35	0.76
अन्य देश	%	1.36	0.10	0.29	0.13
कुल आयात	%	3.19	2.78	7.07	6.33

33. संबद्ध वस्तु की मांग की गणना घरेलू उद्योग की आबद्ध खपत सहित घरेलू बिक्री, अन्य भारतीय उत्पादकों की अनुमानित बिक्री और सभी देशों से हुए समस्त आयातों को जोड़कर की गई है।

34. उपर्युक्त आंकड़ों से यह पता चलता है कि आधार वर्ष की तुलना में जांच अवधि में मांग में 13% की वृद्धि हुई है। इसी अवधि के दौरान घरेलू उद्योग का बाजार हिस्सा 4.18% से घटकर 48% हो गया, अन्य उत्पादकों का हिस्सा जो 47.63% था, घटकर 45.66% हो गया और संबद्ध देशों का हिस्सा 1% से कम से बढ़कर 5.44% हो गया।

क) क्षमता, क्षमता उपयोग तथा घरेलू उद्योग का उत्पादन

विवरण	इकाई	2004-05	2005-06	2006-07	जांच अवधि
क्षमता	मी.ट.	8,69,057	9,56,320	11,46,875	11,50,375
प्रवृत्ति	सूचीबद्ध	100	110	132	132
उत्पादन	मी.ट.	8,59,156	9,22,225	9,68,632	10,01,988
प्रवृत्ति	सूचीबद्ध	100	107	113	117
क्षमता उपयोग	%	98.86	96.43	84.46	87.10
प्रवृत्ति	सूचीबद्ध	100	98	85	88

35. उपर्युक्त आंकड़ों से यह पता चलता है कि घरेलू उद्योग ने आधार वर्ष की तुलना में वर्ष 2005-06 तथा 2006-07/जांच अवधि में क्षमता में वृद्धि की है। तथापि, जांच अवधि के दौरान क्षमता में कोई वृद्धि नहीं हुई थी। आधार वर्ष की तुलना में इस क्षमता में वर्ष 2005-06 में 10% और 2006-07/ जांच अवधि में 32% की वृद्धि हुई थी।

36. आधार वर्ष की तुलना में संबद्ध वस्तु के उत्पादन में वर्ष 2005-06 में 7%, 2006-07 में 13% और जांच अवधि में 17% की वृद्धि हुई। आधार वर्ष में 99% की तुलना में क्षमता उपयोग (संवर्धित क्षमता) जांच अवधि में घटकर 87% हो गया। यह नोट किया गया है कि उन उत्पादकों के क्षमता उपयोग में गिरावट आई है जिन्होंने क्षति अवधि के दौरान क्षमता में वृद्धि की थी।

ख) घरेलू उद्योग की बिक्री

विवरण	इकाई	2004-05	2005-06	2006-07	जांच अवधि
घरेलू बिक्री तरल	मी.ट.	5,42,838	5,76,125	6,19,462	6,50,685
प्रवृत्ति	सूचीबद्ध	100	106.13	114.12	119.87
घरेलू बिक्री - फ्लेक	मी.ट.	2,06,404	2,15,921	1,87,451	1,94,125

प्रवृत्ति	सूचीबद्ध	100	104.61	90.82	94.05
बिक्री - निर्यात	मी.ट.	16,292	32,077	41,856	33,630
प्रवृत्ति	सूचीबद्ध	100	196.89	256.91	206.42
आबद्ध खपत	मी.ट.	1,67,570	1,58,397	1,58,422	1,70,353
प्रवृत्ति	सूचीबद्ध	100	94.53	94.54	101.66
कुल घरेलू बिक्री	मी.ट.	9,16,812	9,50,443	9,65,334	10,15,163
प्रवृत्ति	सूचीबद्ध	100	103.67	105.29	110.73
आबद्ध खपत रहित कुल घरेलू बिक्री	मी.ट.	7,49,242	7,92,046	8,06,912	8,44,811
प्रवृत्ति	सूचीबद्ध	100	106	108	113

37. घरेलू उद्योग द्वारा संबद्ध वस्तु की बिक्री तरल और ठोस (फ्लेक सहित) रूप में की जा रही है। उपर्युक्त आंकड़ों से यह पता चलता है कि आधार वर्ष की तुलना में जांच अवधि में घरेलू उद्योग की घरेलू बिक्री (तरल) में 19% की वृद्धि हुई है। ठोस रूप में घरेलू बिक्री आधार वर्ष के 100 की तुलना में घटकर 94 (सूचीबद्ध) हो गई है। तथापि, आबद्ध खपत में आधार वर्ष से जांच अवधि तक परिवर्तन नहीं हुआ है। आधार वर्ष की तुलना में जांच अवधि में आबद्ध खपत सहित कुल घरेलू बिक्री में 11% की वृद्धि हुई है। आबद्ध खपत रहित कुल घरेलू बिक्री में यही प्रवृत्ति प्रदर्शित होती है तथापि, आधार वर्ष की तुलना में जांच अवधि में इसमें 13% की वृद्धि हुई है।

(ख) घरेलू उद्योग पर पाटित अयातों का कीमत प्रभाव

38. संबद्ध देशों से आयातों के कारण घरेलू उद्योग की कीमत पर प्रभाव की जांच कीमत कटौती, कम कीमत पर बिक्री, कीमत हास और कीमत न्यूनीकरण, यदि कोई हो, के संदर्भ में की गई है। इस विश्लेषण के प्रयोजनार्थ उत्पादन की भारित औसत लागत, भारित औसत निवल बिक्री प्राप्ति (एनएसआर) तथा घरेलू उद्योग की क्षति रहित कीमत (एनआईपी) (घरेलू उद्योग की लागत सूचना के आधार पर परिकलित) की तुलना संबद्ध देशों से आयातों के पहुंच मूल्य के साथ की गई है।

कीमत कटौती - चीन

विवरण	इकाई	2004-05	2005-06	2006-07	जांच अवधि
निर्यात कीमत-तरल	रु./मी.ट.	शून्य	14804	15533	15455
पहुंच मूल्य - तरल	रु./मी.ट.	शून्य	17195	17649	17463
निर्यात कीमत-फ्लेक्स	रु./मी.ट.	13209	14840	14616	15223
पहुंच मूल्य-फ्लेक्स	रु./मी.ट.	16010	17237	16607	17207
निवल बिक्री प्राप्ति (तरल)	रु./मी.ट.	***	***	***	***
निवल बिक्री प्राप्ति (फ्लेक)	रु./मी.ट.	***	***	***	***
कीमत कटौती - तरल	रु./मी.ट.		***	***	***
कीमत कटौती - तरल	%		***	***	***
कीमत कटौती - फ्लेक	रु./मी.ट.	***	***	***	***
कीमत कटौती फ्लेक	%	***	***	***	***

कीमत कटौती - कोरिया आरओके

विवरण	इकाई	2004-05	2005-06	2006-07	जांच अवधि
निर्यात कीमत-तरल	रु./मी.ट.	7940	13520	16272	15536
पहुंच मूल्य-तरल	रु./मी.ट.	9623	154704	18489	17554
निवल बिक्री प्राप्ति (तरल)	रु./मी.ट.	***	***	***	***
निवल बिक्री प्राप्ति (फ्लेक)	रु./मी.ट.	***	***	***	***
कीमत कटौती -तरल	रु./मी.ट.	***	***	***	***
कीमत कटौती -तरल	%	***	***	***	***

कीमत कटौती-संबद्ध देश

विवरण	इकाई	2004-05	2005-06	2006-07	जांच अवधि
निर्यात कीमत-तरल	रु./मी.ट.	9623	16130	17797	17485
पहुंच मूल्य-फ्लेक	रु./मी.ट.	16010	17268	16608	17208
पहुंच मूल्य-भारित कीमत	रु./मी.ट.				17439
निवल बिक्री प्राप्ति (तरल)	रु./मी.ट.	***	***	***	***
निवल बिक्री प्राप्ति (फ्लेक)	रु./मी.ट.	***	***	***	***
कीमत कटौती -तरल	रु./मी.ट.	***	***	***	***
कीमत कटौती -तरल	%	***	***	***	***
कीमत कटौती - फ्लेक	रु./मी.ट.	***	***	***	***
कीमत कटौती (फ्लेक)	%	***	***	***	***

कम कीमत पर बिक्री

(मूल्य रु./किग्रा.मे)

निवल बिक्री प्राप्ति (तरल)	***
निवल बिक्री प्राप्ति (फ्लेक)	***
क्षति सहित कीमत (तरल)	***
क्षति सहित कीमत (फ्लेक)	***
एनआईपी (भारित औसत)	***
पहुंच मूल्य (कोरिया आरओके)	17554
कम कीमत पर बिक्री (कोरिया आरओके)	***
कम कीमत पर बिक्री (%)	***
कम कीमत पर बिक्री	

पहुंच मूल्य (चीन जन.गण) तरल	17463
पहुंच मूल्य (चीन जन.गण) - फ्लेक	17201
पहुंच मूल्य (चीन जन.गण) - भारित औसत	17409
कम कीमत पर बिक्री (चीन जन.गण) तरल	***
कम कीमत पर बिक्री - फ्लेक	***
कम कीमत पर बिक्री ((चीन जन.गण) भारित औसत)	***
कम कीमत पर बिक्री (%) -तरल	***
कम कीमत पर बिक्री (%) - फ्लेक	***
कम कीमत पर बिक्री (%) - भारित औसत	***
पहुंच मूल्य (संबद्ध देश)	***
कम कीमत पर बिक्री (चीन जन.गण)	***
कम कीमत पर बिक्री (%)	***
कम कीमत पर बिक्री रेंज	

39. जांच अवधि के दौरान संबद्ध वस्तु की तुलना पाटित आयातों के भारित औसत पहुंच मूल्य तथा घरेलू बाजार में घरेलू बिक्री कीमत के बीच की गई थी। घरेलू उद्योग की निवल बिक्री प्राप्ति का निर्धारण करने के लिए करों, रिबेट, छूट और घरेलू उद्योग द्वारा प्रदत्त कमीशन का समायोजन किया गया है।

40. संबद्ध देशों से निर्यात कीमत (तरल) में वृद्धि की प्रवृत्ति देखी गई है। निर्यात कीमत में वर्ष 2003-04 से 2005-06 तक वृद्धि हुई है परंतु जांच अवधि में मामूली गिरावट आई है। इसी अवधि के दौरान सीमाशुल्क आधार वर्ष में 20% से घटकर जांच अवधि में 10% हो गया है। संबद्ध देशों से पहुंच मूल्य में वर्ष 2005-06 तक वृद्धि जारी रही लेकिन जांच अवधि में मामूली गिरावट आई। घरेलू उद्योग की निवल बिक्री कीमत (तरल) में आधार वर्ष से जांच अवधि तक वृद्धि जारी रही। संबद्ध देशों से कीमत कटौती वर्ष 2005-06, 2006-07 और जांच अवधि में ऋणात्मक रही थी। संबद्ध वस्तु (ठोस रूप में) के संबंध में आयातों की सूचना केवल चीन जन.गण. से प्राप्त हुई है। निर्यात कीमत में आधार वर्ष से जांच अवधि तक वृद्धि जारी रही लेकिन घरेलू उद्योग की निवल बिक्री प्राप्ति में वर्ष 2006-07 तक वृद्धि जारी रही किन्तु जांच अवधि में गिरावट आई।

41. यह नोट किया गया है कि संबद्ध देशों से हुए आयातों द्वारा संबद्ध वस्तु (तरल) की कीमत में कटौती ऋणात्मक रही थी लेकिन आयातों द्वारा संबद्ध वस्तु (ठोस रूप में) की कीमत में जांच अवधि के दौरान 7-15% के बीच कीमत कटौती हुई है। वर्ल्ड ट्रेड एटलस के आंकड़ों के आधार पर कीमत कटौती 5-10% (चीन के संबंध में तरल और ठोस) के बीच रही थी।

42. कम कीमत पर बिक्री क्षति के निर्धारण का एक प्रमुख संकेतक है; इस प्रकार प्राधिकारी ने क्षति रहित कीमत की गणना की है और उसकी तुलना कम कीमत पर बिक्री की मात्रा निकालने के लिए पहुंच मूल्य के साथ की है। घरेलू उद्योग के लिए क्षति रहित कीमत की गणना जांच अवधि के दौरान विचाराधीन उत्पाद की उत्पादन लागत पर विचार करते हुए की गई है। विश्लेषण से यह पता चलता है कि कोरिया से जांच अवधि के दौरान कम कीमत पर बिक्री ऋणात्मक रही थी तथापि, चीन जन.गण. के संबंध में कम कीमत पर बिक्री सकारात्मक थी। जांच अवधि के दौरान यह 5% से कम रही थी। संबद्ध देशों के लिए कम कीमत पर बिक्री भी 5% से कम रही थी। वर्ल्ड ट्रेड

एटसल के आँकड़ों के आधार पर कम कीमत पर बिक्री 20-25% (चीन के संबंध में तरल एवं ठोस) के बीच रही थी।

क्षति के अन्य मापदंडों की जांच

43. घरेलू उद्योग की मात्रा और कीमत पर पाटित आयातों के प्रभाव और आयात की मात्रा एवं मूल्य, घरेलू उद्योग की क्षमता, उत्पादन, क्षमता उपयोग और बिक्री जैसे क्षति के प्रमुख संकेतकों के साथ-साथ पूर्ववर्ती खंड में विभिन्न क्षेत्रों के बाजार हिस्से के साथ मांग की पद्धति की जांच करने के बाद ऐसे अन्य आर्थिक मापदंडों का निम्नानुसार विश्लेषण किया गया है जिनसे घरेलू उद्योग को हुई क्षति की मौजूदगी का पता चल सकता है।

(i) लाभ एवं नकद प्रवाह पर वास्तविक तथा संभावित प्रभाव

(व्यापारी बिक्री)

विवरण	इकाई	2004-05	2005-06	2006-07	जान्वरी 2008
लाभप्रदता					
बिक्री लागत (तरल)	रु./मी.टन	***	***	***	***
प्रवृत्ति	सूचीबद्ध	100	102.76	114.98	116.96
बिक्री कीमत (तरल)	रु./मी.टन	***	***	***	***
प्रवृत्ति	सूचीबद्ध	100	120.35	129.87	130.56
लाभ/हानि (तरल)	रु./मी.टन	***	***	***	***
प्रवृत्ति	सूचीबद्ध	100	228.32	221.26	214.04
बिक्री लागत (फ्लेक)	रु./मी.टन	***	***	***	***
प्रवृत्ति	सूचीबद्ध	100	103	122	120
बिक्री कीमत (फ्लेक)	रु./मी.टन	***	***	***	***
प्रवृत्ति	सूचीबद्ध	100	112	125	123
लाभ/हानि (फ्लेक)	रु./मी.टन	***	***	***	***
प्रवृत्ति	सूचीबद्ध	100	133	132	132
लाभ/हानि (पीबीआईटी)	लाख रुपए	***	***	***	***
प्रवृत्ति	सूचीबद्ध	100	166	165	169
नकद लाभ	लाख रुपए	***	***	***	***
प्रवृत्ति	सूचीबद्ध	100	165	168	173

44. घरेलू उद्योग की व्यापारी बिक्री की लाभप्रदता का विश्लेषण घरेलू उद्योग के रिकार्डों से किया गया है।

45. आंकड़ों से यह पता चलता है कि आधार वर्ष की तुलना में जांच अवधि में तरल की बिक्री लागत में 17% की वृद्धि हुई और इसी अवधि में बिक्री कीमत में 31% की वृद्धि हुई। रूपए के रूप में आधार वर्ष की तुलना में जांच अवधि में बिक्री लागत में 1773 रूपए/मी.ट. की वृद्धि हुई जबकि इसी अवधि के दौरान बिक्री कीमत में 3717 रूपए/मी.ट. की वृद्धि हुई। आधार वर्ष की तुलना में जांच अवधि में प्रति मी.ट. लाभ में 114% की वृद्धि हुई। रूपए के रूप में इसमें 1843 रूपए/मी.ट. की वृद्धि हुई। आंकड़ों से यह भी पता चलता है कि आधार वर्ष की तुलना में जांच अवधि में ठोस (फ्लेक सहित) की बिक्री लागत में 20% की वृद्धि हुई और इसी अवधि में बिक्री कीमत में 23% की वृद्धि हुई। रूपए के रूप में आधार वर्ष की तुलना में जांच अवधि में बिक्री लागत में 2144 रूपए/मी.ट. की वृद्धि हुई और इसी अवधि के दौरान बिक्री कीमत में 3691 रूपए/मी.ट. की वृद्धि हुई। आधार वर्ष की तुलना में जांच अवधि में प्रति मी.ट. लाभ में 114% की वृद्धि हुई। रूपए के रूप में इसमें 1447 रूपए/मी.ट. की वृद्धि हुई।

46. आधार वर्ष की तुलना में जांच अवधि में सूचीबद्ध रूप में लाभ (पीबीआईटी) में 69% की वृद्धि हुई।

47. घरेलू उद्योग के अधिकांश उत्पादक बहु उत्पाद कंपनी है, इसलिए उत्पाद के नकद प्रवाह की वास्तविक मात्रा का निर्धारण संभव नहीं हुआ था। तथापि, नकद प्रवाहजनित लाभ का निर्धारण लाभ (कर-पूर्व लाभ) के मूल्यहास की राशि को जोड़कर किया गया है। प्रवृत्ति से पता चलता है कि आधार वर्ष की तुलना में जांच अवधि में नकद लाभ में 73% की वृद्धि हुई है।

(ii) रोजगार तथा मजदूरी

विवरण	इकाई	2004-05	2005-06	2006-07	जांच अवधि
कर्मचारी	सं.	***	***	***	***
प्रवृत्ति	सूचीबद्ध	100	99.24	97.42	97.15
कर्मचारियों को दी गई मजदूरी	लाख रु.	***	***	***	***
प्रवृत्ति	सूचीबद्ध	100	114.54	133.53	137.45

48. कर्मचारियों की संख्या आधार वर्ष के 100 की तुलना में वास्तव में घटकर 97 (सूचीबद्ध) हो गई। यह उल्लेखनीय है कि घरेलू उत्पादकों द्वारा क्षमता में वृद्धि के बावजूद कर्मचारियों की संख्या में गिरावट आई है। तथापि, आधार वर्ष की तुलना में जांच अवधि में कर्मचारियों को प्रदत्त मजदूरी में 37% की वृद्धि हुई है।

(iii) उत्पादकता

विवरण	इकाई	2004-05	2005-06	2006-07	जांच अवधि
उत्पादन	मी.ट.	***	***	***	***
प्रवृत्ति	सूचीबद्ध	100	107	113	117
प्रति कर्मचारी उत्पादकता	मी.ट.	***	***	***	***
प्रवृत्ति	सूचीबद्ध	100	108.16	115.73	120.05

49. आंकड़ों से यह पता चलता है कि आधार वर्ष की तुलना में जांच अवधि में प्रति कर्मचारी उत्पादन के रूप में परिकलित उत्पादकता में 20% का सुधार हुआ है।

(iv) मालसूचियां

विवरण	इकाई	2004-05	2005-06	2006-07	जांच अवधि
औसत मालसूचियां	मी.ट.	***	***	***	***
प्रवृत्ति	सूचीबद्ध	100	76.24	78.45	123.93
बिक्री दिवसों की संख्या	दिवस	***	***	***	***

50. मालसूची से संबंधित आंकड़ों से यह पता चलता है कि आधार वर्ष की तुलना में जांच अवधि में औसत मालसूची में 24% की वृद्धि हुई है। तथापि, जहां तक बिक्री दिवसों का संबंध है, यह आधार वर्ष की तुलना में जांच अवधि में एक समान रही है। यह आधार वर्ष में 5 दिन थी जो वर्ष 2005-06 और 2006-07 में घटकर 4 दिन रह गई लेकिन जांच अवधि में यह 6 दिन थी।

(v) निवेश पर आय और पूंजी जुटाने की क्षमता

विवरण	इकाई	2004-05	2005-06	2006-07	जांच अवधि
एनएफए	लाख रुपए	***	***	***	***
कार्यशील पूंजी	लाख रुपए	***	***	***	***
लगाई गई पूंजी- एनएफए आधार पर (कुल)	लाख रुपए	***	***	***	***
प्रवृत्ति	सूचीबद्ध	100	113	126	123
लगाई गई पूंजी पर आय (घरेलू)	%	***	***	***	***
प्रवृत्ति	सूचीबद्ध	100	146	132	138

51. आधार वर्ष की तुलना में जांच अवधि के दौरान घरेलू उद्योग ने लगाई गई पूंजी में वृद्धि की है। लगाई गई पूंजी में यह वृद्धि निवल नियत परिसंपत्तियों के कारण हुई थी। यह देखा गया है कि आधार वर्ष की तुलना में जांच अवधि में कार्यशील पूंजी में गिरावट आई है। आधार वर्ष की तुलना में जांच अवधि के दौरान लगाई गई कुल पूंजी में 23% की वृद्धि हुई। आधार वर्ष की तुलना में जांच अवधि के दौरान लगाई गई पूंजी पर आय में वृद्धि हुई। सूचीबद्ध रूप में आधार वर्ष की तुलना में जांच अवधि के दौरान लगाई गई पूंजी पर आय बढ़कर 42% हो गई।

vi) कीमतों को प्रभावित करने वाले कारक

52. संबद्ध देशों से निर्यात कीमत के मूल्यांकन से यह पता चलता है कि कीमतों में आधार वर्ष से जांच अवधि तक वृद्धि हुई है। तथापि, सीमाशुल्क में आधार वर्ष से जांच अवधि तक गिरावट आई है। यह वर्ष 2003-04 में 20% से घटकर जांच अवधि में 10% हो गया। संबद्ध वस्तु के पहुंच मूल्य में आधार वर्ष से जांच अवधि तक वृद्धि हुई। घरेलू उद्योग की बिक्री लागत में भी आधार वर्ष से जांच अवधि तक वृद्धि हुई।

vii) वृद्धि

53. घरेलू उद्योग क्षमता, उत्पादन, बिक्री, उत्पादकता, लाभ एवं लगाई गई पूंजी पर आय में सकारात्मक वृद्धि प्रदर्शित की है।

ड क्षति संबंधी निष्कर्ष

54. हितबद्ध पक्षकारों (मै. हन्हवा केमिकल्स कार्पोरेशन, मै. हन्हवा कार्पोरेशन, ट्राइकॉन इनर्जी लि. और मै. हिंदुस्तान यूनीलीवर लि.) ने यह मुद्दा उठाया है कि संबद्ध वस्तु का तरल एवं ठोस रूप में भेद करना त्रुटिपूर्ण है और संबद्ध वस्तु के लिए क्षति का विश्लेषण उक्त ग्रेडों के बीच भेद किए बिना समग्र रूप में किया जाना चाहिए। इस संबंध में यह नोट किया गया है कि विचाराधीन उत्पाद अलग-अलग रूपों में कास्टिक सोडा है। तथापि, क्षति विश्लेषण समान उत्पाद के लिए किया जाता है परंतु विभिन्न रूपों पर आयातों के प्रभाव को समझने के लिए अलग-अलग रूपों का विश्लेषण किया गया है। तथापि, उत्पाद के अलग-अलग रूपों के लिए अलग से विश्लेषण करने की कोई मंशा नहीं है।

55. संबद्ध वस्तु की मांग में आधार वर्ष अर्थात् 2004-05 की तुलना में जांच अवधि (जुलाई, 06 से जून, 07) में लगभग 13% की वृद्धि हुई। इस अवधि के दौरान घरेलू उद्योग ने क्षमता में 32% (281318 मी.ट.) और उत्पादन में 17% (142832 मी.ट.) की वृद्धि की। तथापि, क्षमता उपयोग (संवर्द्धित) घटकर 87% हो गया। बिक्री (घरेलू, आबद्ध खपत तथा निर्यात) में 98351 की वृद्धि हुई। बिक्री (आबद्ध खपत सहित) में 11% और 13% (आबद्ध खपत को छोड़कर) की वृद्धि हुई। अन्य उत्पादकों की अनुमानित बिक्री (आवेदक द्वारा उपलब्ध कराए गए अनुमान के अनुसार) में भी 77765 मी.ट. की वृद्धि हुई। बिक्री दिवसों के रूप में औसत मालसूची आधार वर्ष में 5 दिन की तुलना में जांच अवधि में बढ़कर 6 दिन हो गई।

56. आकड़ों से यह पता चलता है कि घरेलू उद्योग ने उत्पादन एवं बिक्री के रूप में अपने निष्पादन में सुधार किया है। घरेलू उद्योग का बाजार हिस्सा घटकर 48% हो गया लेकिन अन्य उत्पादकों का बाजार हिस्सा (अधिप्रमाणित आंकड़े उपलब्ध नहीं हैं) भी 46% हो गया जिससे यह पता चलता है कि घरेलू उत्पादकों का बाजार में लगभग 95% हिस्सा बना हुआ है। तथापि, अनप्रयुक्त क्षमता से यह पता चलता है कि घरेलू उद्योग के पास बाजार में बढ़ती हुई मांग को पूरा करने के लिए उत्पादन बढ़ाने की क्षमता है।

57. क्षति अवधि के दौरान घरेलू उद्योग के वित्तीय निष्पादन में प्रति इकाई लाभ (तरल और ठोस दोनों रूप में) तथा लाभ (पीबीआईटी) के रूप में सुधार प्रदर्शित होता है। लगाई गई पूंजी पर आय से पर्याप्त सुधार का पता चलता है और सूचीबद्ध रूप में इसने 4.1% का सुधार हुआ है।

58. क्षति के विश्लेषण हेतु मात्रात्मक-आर्थिक मापदंडों से यह पता चलता है कि घरेलू उद्योग ने क्षति अवधि के दौरान मात्रात्मक और वित्तीय रूप में अपने निष्पादन में सुधार किया है।

59. हितबद्ध पक्षकारों (मै. हन्हवा केमिकल्स कार्पोरेशन, मै. हन्हवा कार्पोरेशन, ट्राइकॉन इनर्जी लि. और मै. हिंदुस्तान यूनीलीवर लि.) ने यह मुद्दा उठाया है कि घरेलू उद्योग प्राधिकारी से अपने एसोसिएशन के सदस्यों को शामिल कर और उन्हें बाह्य कर संपर्क कर रही है ताकि परिस्थितियों और जांच के समय के अनुसार वे जांच में भाग ले सकें। इस संबंध में प्राधिकारी ने कुछ अन्य

उत्पादकों की लागत लेखा रिपोर्टों का मूल्यांकन किया और यह नोट किया कि अन्य उत्पादकों के लिए क्षति विश्लेषण नहीं किया जा सकता क्योंकि जांच अवधि लागत लेखा रिपोर्टों में सूचित अवधि से अलग है। तथापि, क्षति रहित कीमत का अनुमान उपलब्ध आंकड़ों के आधार पर लगाया गया था और यह पाया गया था कि यह घरेलू उद्योग के भागीदार उत्पादकों के आंकड़ों के आधार पर परिकलित आंकड़ों से तुलनीय है। आगे यह नोट किया गया है कि अन्य उत्पादकों की भागीदारी से कोई अंतर नहीं पड़ेगा क्योंकि भागीदार उत्पादकों के आंकड़ों से पूर्ववर्ती पैराग्राफों में किए गए विश्लेषण के अनुसार निष्पादन में सुधार का पता चलता है।

च. अन्य ज्ञात कारक एवं कारणात्मक संबंध

अन्य स्रोतों से हुए आयातों की मात्रा एवं कीमत

60. यह देखा गया है कि सभी देशों से हुए कुल आयात वर्ष 2004-05 में 59522 मी.टन से बढ़कर जांच अवधि में 1,33,950 मी.ट. हो गए। यह भी देखा गया है कि कुछ अन्य देशों पर जांच अवधि के दौरान पाटनरोधी शुल्क लागू रहा है। जिन देशों पर पाटनरोधी शुल्क लागू नहीं है उन अन्य देशों से हुए आयात जांच अवधि में 25359 मी.ट. से घटकर 2829 मी.ट. हो गए। जिन देशों पर शुल्क नहीं लग रहा था उन अन्य देशों से हुए आयातों में वास्तव में गिरावट आई है जिससे यह प्रतीत नहीं होता है कि घरेलू उद्योग के निष्पादन पर प्रभाव पड़ा हो।

मांग में कमी और/अथवा खपत की पद्धति में परिवर्तन

61. आधार वर्ष की तुलना में जांच अवधि के दौरान विचाराधीन उत्पादन की मांग में 13% की वृद्धि हुई है। अतः मांग में कमी ऐसा कोई संभावित कारण नहीं है जिससे घरेलू उद्योग का निष्पादन प्रभावित हो सकता है।

विदेशी एवं घरेलू उत्पादकों के व्यापार प्रतिबंधात्मक व्यवहार और उनके बीच प्रतिस्पर्धा

62. संबद्ध वस्तु मुक्त रूप से आयात योग्य है और घरेलू बाजार में कोई व्यापार प्रतिबंधात्मक व्यवहार प्रचलित नहीं है। अतः यह कारक घरेलू उद्योग के निष्पादन को प्रभावित करने वाला कारण नहीं हो सकता।

प्रौद्योगिकी विकास और निर्यात निष्पादन

63. उत्पाद के उत्पादन की प्रौद्योगिकी घरेलू उद्योग तथा संबद्ध देशों के उत्पादकों द्वारा प्रयुक्त प्रौद्योगिकी के समान है। प्रौद्योगिकी विकास ऐसा कारक नहीं है जिससे घरेलू उद्योग का निष्पादन प्रभावित हो सकता है।

64. घरेलू उद्योग अत्यंत कम निर्यात कार्यकलाप करता है। आधार वर्ष की तुलना में जांच अवधि में निर्यात बिक्री में लगभग 100% की वृद्धि हुई। तथापि घरेलू बिक्री की तुलना में जांच अवधि में यह केवल 3% थी। अतः निर्यात निष्पादन पर घरेलू उद्योग के निष्पादन को प्रभावित करने वाले कारक के रूप में विचार नहीं किया जा सकता।

घरेलू उद्योग की उत्पादकता

65. आधार वर्ष की तुलना में जांच अवधि के दौरान प्रति कर्मचारी उत्पादन के रूप में आकलित घरेलू उद्योग की उत्पादकता में पर्याप्त सुधार हुआ है ।

छ. पाटन एवं क्षति जारी रहने की संभावना

66. पाटन जारी रहने या उसकी पुनरावृत्ति होने के बारे में घरेलू उद्योग के अनुरोध ।

- (क) प्रत्येक देश से पाटन मार्जिन निर्धारित सीमाओं से अधिक है । इस प्रकार उत्पाद का निर्यात पाटित कीमतों पर होना जारी है ।
- (ख) सीएमएआई रिपोर्टों के अनुसार कोरियाई और चीनी उत्पादक के क्षमता और उत्पादन स्तर निम्नानुसार रहे हैं:

मी.ट.	कोरिया	चीन जन.गण.
मांग	1,281,000	13,349,000
क्षमता	1,315,000	14,250,000
सरप्लस	34,000	901,000
उत्पादन	1,235,000	13,259,000

भारी बेशी क्षमता के कारण यह स्पष्ट है कि निर्यातक सर्वोत्तम संभावित कीमतें मिलने पर बिक्री को तरजीह देगा ।

- (ग) विश्व में मांग-पूर्ति की वर्तमान स्थिति निम्नानुसार है:

	मिलियन मी.ट.
मांग	55.364
क्षमता	63,383
सरप्लस	8.019

67. चूंकि कोरिया और चीन जन.गण. और वैश्विक आधार पर बेशी क्षमता है, इसलिए घरेलू उद्योग का अनुरोध है कि भारतीय बाजार को कोरिया और चीन से पर्याप्त निर्यात होने की संभावना है ।

68. संबंधित सीमाशुल्क प्राधिकारियों द्वारा प्रकाशित सूचना के अनुसार संबंधित देशों के उत्पादकों ने अनेक देशों, जिनमें आस्ट्रेलिया, कनाडा, मलेशिया, फिलीपीन्स, सिंगापुर, थाइलैंड, दक्षिण अफ्रीका, यूएसए शामिल हैं, को भारी मात्रा में निर्यात किया है । यह सूचना इन देशों के संबंधित सीमाशुल्क प्राधिकारियों द्वारा जारी आंकड़ों पर आधारित है । याचिकाकर्ता का अनुरोध है कि पूर्व में उपलब्ध कराए गए सामान्य मूल्य और इस एफओबी निर्यात कीमत के अनुमान से इस बात की पुष्टि होगी कि

- तीसरे देशों से निर्यात पाटित कीमतों पर हुए हैं ;
- इन देशों में आपसे में कीमत में भारी अंतर है । उदाहरणार्थ फरवरी, 07 में आस्ट्रेलिया के लिए कीमत 149 अम.डा. थी जबकि कनाडा, भारत , दक्षिण अफ्रीका और यूएसए

के लिए यह क्रमशः 243, 308, 255 और 310 अम.डा. थी । अन्य माह के लिए यही प्रवृत्ति रही है । स्पष्टतः यह माना जाता है कि निर्यातक प्रचलित कीमतों पर उत्पाद की बिक्री करेंगे । निर्यातकों की अपनी खुद कीमतें नहीं होती हैं ;

- निर्यात कीमत और संबंधित मात्राओं के बीच कोई सह-संबंध नहीं है । यद्यपि, कभी-कभी मात्रा अधिक रही है, कीमत कम रही है; दूसरे समय मात्रा अधिक और कीमत कम रही है । वस्तुतः यह आश्चर्यजनक नहीं है कि न्यूनतम मात्राओं के साथ न्यूनतम कीमत का पता लगाया जा सके । उदाहरणार्थ कनाडा को 249 अम.डॉ. (2008 मी.ट.) पर निर्यात किए गए थे जबकि उसी माह भारत को 308 अम.डॉ. (5077 मी.ट.), थाइलैंड को 250 (2013 मी.ट.) तथा यूएसए को 293 (7157 मी.ट.) पर निर्यात हुए थे । इस प्रकार मात्रा का कीमतों से कोई संबंध नहीं है ।

याचिकाकर्ता ने अनुरोध किया है कि इससे पाटनरोधी शुल्क समाप्त किए जाने की स्थिति में पाटन के बढ़ने की संभावना की पुष्टि होती है । यदि वर्तमान पाटनरोधी शुल्क समाप्त कर दिया जाएगा तो निर्यातक अन्य अंतर्राष्ट्रीय आपूर्तिकर्ताओं के अनुरूप प्रचलित कीमतों पर बिक्री करने के लिए बाध्य होंगे ।

69. आवेदक द्वारा आगे यह अनुरोध किया गया है कि प्रतिवादी निर्यातक को इस बात की पुष्टि करनी चाहिए कि शुल्क समाप्त किए जाने की स्थिति में पाटन जारी रहने की संभावना नहीं है । इस संबंध में अनेक प्रश्न सूचीबद्ध किए गए हैं जिन्हें निर्यातक से पूछा जाना चाहिए । यह भी अनुरोध किया गया है कि जब तक सूचना के आधार पर निर्यातक यह सिद्ध नहीं करता है कि पाटनरोधी शुल्क समाप्त किए जाने की स्थिति में पाटन जारी रहने या उसके बढ़ने की संभावना नहीं है तब तक यह माना जाना चाहिए कि पाटनरोधी शुल्क समाप्त किए जाने की स्थिति में पाटन जारी रहने और उसमें वृद्धि होने की संभावना है ।

ज. क्षति जारी रहने या उसकी पुनरावृत्ति होने की संभावना

घरेलू उद्योग के अनुरोध

70. यद्यपि, वर्तमान क्षति अवधि के दौरान घरेलू उद्योग के निष्पादन में खास अंतर नहीं था, तथापि किसी भी हालत में घरेलू उद्योग की सुभेद्यता की पुष्टि वर्ष 2005-06 के बाद उसकी स्थिति खराब होने की दृष्टि से हो जाती है । निम्नलिखित मापदंडों से यह पता चलता है कि वर्तमान पाटनरोधी शुल्क समाप्त किए जाने की स्थिति में घरेलू उद्योग को क्षति होने की संभावना है ।

1. घरेलू उद्योग के निष्पादन में 2005-06 तक सुधार हुआ । आयातों में पर्याप्त वृद्धि होने के कारण निष्पादन में 2006-07 से गिरावट शुरू हुई ।
2. यद्यपि, वर्ष 2004-05 और 2005-06 के बीच भारतीय उत्पादकों का बाजार हिस्सा लगभग एक समान रहा, तथापि घरेलू उद्योग एवं भारतीय उत्पादकों के बाजार हिस्से में गिरावट आई और संबद्ध देशों सहित विभिन्न स्रोतों से हुए आयातों के हिस्से में वर्तमान जांच अवधि में वृद्धि हुई । आयातों के बाजार हिस्से में यह वृद्धि क्षमता एवं उत्पादन में बढ़ोतरी के बाजवूद हुई थी और इसके प्रत्यक्ष परिणामस्वरूप वर्तमान जांच अवधि में आयातों में वृद्धि हुई । इससे घरेलू उद्योग की सुभेद्यता की पुष्टि होती है ।

3. लाभ, निवेश पर आय और नकद प्रवाह जैसे कीमत संबंधी विभिन्न मापदंडों के रूप में घरेलू उद्योग के निष्पादन में 2005-06 तक सुधार हुआ और तत्पश्चात संबद्ध देशों से आयातों के पर्याप्त वृद्धि होने के कारण उसमें गिरावट आई ।
4. पूर्ववर्ती सभी जांचों से यह पता चला है कि कास्टिक सोडा का बाजार अत्यधिक कीमत संवेदनशील है और आयात इस तथ्य के मद्देनजर किए जा रहे हैं कि आयातों की पहुंच कीमत उस खास समय पर घरेलू उद्योग की बिक्री कीमत से कम रही हैं । बाजार इतना कीमत संवेदनशील है कि 500 रूपए पीएमटी के अंतर से आर्डर गंवाया जा सकता है ।
5. संबद्ध देशों से भारतीय बाजार में संबद्ध वस्तु का पाटित कीमतों पर आना जारी है और यह कीमत घरेलू उद्योग की बिक्री कीमत तथा क्षतिरहित कीमत से कम है ।
6. संबद्ध देशों से अन्य देशों को निर्यात अत्यधिक पाटित कीमतों पर किए गए हैं । अन्य देशों के संबंध में पाटन मार्जिन भारत के मामले में पाटन मार्जिन से काफी अधिक है । इससे स्पष्टतः यह पता चलता है कि संबद्ध देश के उत्पादन अन्य देशों की तुलना में भारतीय बाजार में अत्यधिक मात्रा की बिक्री करने को तरजीह देंगे ।
7. तीसरे देशों के लिए संबद्ध देशों से निर्यात कीमत और घरेलू उद्योग की कीमत की तुलना से यह पता चलता है कि भारतीय बाजार में प्रचलित कीमतें उस कीमत से काफी अधिक हैं जिस पर अन्य देशों को सामग्री का निर्यात किया गया है ।
8. उपलब्ध सूचना से यह पता चलता है कि दोनों संबद्ध देशों के उत्पादकों के पास अभी भी अनप्रयुक्त क्षमताएं बची हुई हैं ।
9. ऐसी स्थिति में जिसमें कोई उत्पादक अपनी क्षमताओं का पूर्ण उपयोग करता है, याचिकाकर्ता का अनुरोध है कि उत्पादक के पास उपलब्ध कीमत संबंधी विभिन्न विकल्पों से उसके बिक्री विकल्प का निर्धारण होगा । इस प्रकार संबद्ध देशों के उत्पादक भारतीय बाजार में और अधिक बिक्री करना चाहेंगे क्योंकि भारतीय बाजार में कीमतें अधिक हैं और आस्ट्रेलिया, दक्षिण अफ्रीका, सिंगापुर, थाइलैंड, मलेशिया आदि जैसे प्रमुख बाजारों में प्रतिस्पर्धा अधिक है । यह नोट करना संगत है कि निर्दिष्ट प्राधिकारी ने पूर्व में यह पाया है कि ताइवान के उत्पादक के प्रमुख निर्यात आस्ट्रेलिया को किए गए थे, कोरियाई उत्पादक प्रमुख आयातक बाजारों के इन वैश्विक आपूर्तिकर्ताओं के साथ प्रतिस्पर्धा करता है । इस स्थिति में उच्चतर भारतीय कीमतें विदेशी उत्पादकों के लिए स्वाभाविक रूप से लाभकारी हैं ।

71. हितबद्ध पक्षकारों (मै. हन्हवा केमिकल्स कार्पोरेशन, मै. हन्हवा कार्पोरेशन, ट्राइकॉन इनर्जी लि. और मै. हिंदुस्तान यूनीलीवर लि.) के अनुरोध

क. चूंकि संबद्ध देशों से निर्यात जारी है, इसलिए माननीय निर्दिष्ट प्राधिकारी को केवल इस बात की जांच करनी चाहिए कि क्या निर्यात पाटित कीमतों पर किए जा रहे हैं; और इस प्रकार पाटन की पुनरावृत्ति के मूल्यांकन की कोई जरूरत है ।

ख. इसके अलावा, याचिकाकर्ताओं द्वारा सतत पाटन या पाटन की पुनरावृत्ति के आधार पर अन्य देशों (ईरान, यूएसए, सऊदी अरब, फ्रांस जापान, कतर, चीनी ताइपेई, इंडोनेशिया, ईयू-फ्रांस को छोड़कर) से निर्यातित संबद्ध वस्तु पर पाटनरोधी शुल्क जारी रखने के बारे में समय विस्तार हासिल किया जा रहा है जिसके द्वारा वे यह बताने में विफल रहे हैं कि वे इस जांच में कीमतें प्राप्त करने में विफल रहने की स्थिति में किस प्रकार कीमतों की निचल प्राप्ति कर सकेंगे ।

- ग. उपर्युक्त को ध्यान में रखते हुए हितबद्ध पक्षकारों का अनुरोध है कि उन्होंने न तो मूल जांच में पाटन किया है और न ही उनके द्वारा पिछले पांच वर्षों और जांच की निर्णायक समीक्षा अवधि के दौरान पाटन नहीं किया है। अतः जहां तक हितबद्ध पार्टियों का संबंध है, इस मामले के तथ्यों के भीतर तीसरे देश को हुए निर्यातों के आधार पर पाटन जारी रहने या उसकी पुनरावृत्ति होने की जांच करने/विश्लेषण करने का कोई प्रश्न नहीं उठता है।
- घ. जहां तक क्षति का संबंध है, याचिकाकर्ताओं ने यह अनुरोध किया है कि उनके द्वारा लाभ पर संबद्ध वस्तु की बिक्री की जा रही है जिससे यह निष्कर्ष निकलता है कि हितबद्ध पक्षकारों द्वारा किए गए निर्यातों से कीमत में कोई कटौती नहीं हुई है। याचिकाकर्ताओं ने यह भी अनुरोध किया है कि हितबद्ध पक्षकारों द्वारा भारत को संबद्ध वस्तु की बिक्री घरेलू मांग-पूर्ति की स्थिति के आधार पर संदर्भ बैंचमार्क कीमत से अधिक पर की जा रही है जिसकी वजह यह है कि हितबद्ध पक्षकारों द्वारा किए गए निर्यातों पर लगाए गए शुल्क की दर पहले से ही "शून्य" है। इसके अलावा, याचिकाकर्ताओं द्वारा सतत पाटन या पाटन की पुनरावृत्ति के आधार पर अन्य देशों (ईरान, यूएसए, सऊदी अरब, फ्रांस जापान, कतर, चीनी ताइपेई, इंडोनेशिया, ईयू-फ्रांस को छोड़कर) से निर्यातित संबद्ध वस्तु पर पाटनरोधी शुल्क जारी रखने के बारे में समय विस्तार हासिल किया जा रहा है जिसके द्वारा वे यह बताने में विफल रहे हैं कि वे इस जांच में कीमते प्राप्त करने में विफल रहने की स्थिति में किस प्रकार कीमतों की निवल प्राप्ति कर सकेंगे।
- ङ. याचिकाकर्ताओं ने अपने लिखित अनुरोधों में माननीय निर्दिष्ट प्राधिकारी से यह अनुरोध किया है कि वह अमरीकी और इसी कानूनों के अंतर्गत अपेक्षा के अनुसार इसी आधार पर सूचना मांगें। इस संबंध में सविनय निवेदन है कि इस समय प्रवृत्त भारतीय पाटनरोधी कानून के अंतर्गत इस ढंग से सूचना मांगने का कोई कानूनी आधार नहीं है और भारतीय कानून के तहत की गई जांच में अमरीका और इसी की प्रणाली लागू नहीं होती है।
- च. इसके अलावा, यह अनुरोध है कि निर्णायक समीक्षा जांच हेतु घरेलू उद्योग के आवेदन प्रपत्र और निर्यातक तथा आयातक प्रश्नावली प्रपत्र के पुनरावलोकन का अनुरोध एक अलग नीति है और उस पर वर्तमान कार्रवाई में विचार नहीं किया जाना चाहिए। ऐसे किसी अनुरोध से जांच के मूल विषय से ध्यान अनावश्यक रूप से हटता है और इसकी अनदेखी की जानी चाहिए।
- छ. यद्यपि, याचिकाकर्ताओं ने क्षति के खतरे के बारे में बढ़ा-चढ़ा कर उल्लेख किया है, तथापि संबद्ध देशों से हुए आयातों द्वारा याचिकाकर्ताओं के दावे के विपरीत ऐसा कोई खतरा उत्पन्न नहीं हुआ है। सीमाशुल्क आंकड़ों का उपयोग करते हुए अन्य तीसरे देशों के संबद्ध देशों से कार्टिक सोडा के आयात के निर्यात से संबंधित सूचना पर भरोसा नहीं किया जा सकता क्योंकि उसमें यह प्रदर्शित करने के लिए कुछ भी नहीं है कि विचारित कीमत निर्धारण आंकड़ों और माप की इकाई (डीएमटी/एलएमटी) का आधार अज्ञात बना रहता है।

प्राधिकारी द्वारा जांच

कारणात्मक संबंध, पाटन एवं क्षति जारी रहने या इसकी पुनरावृत्ति होने की संभावना

72. यदि डीजीसीआईएंड एस के आंकड़ों पर भरोसा किया जाए तो घरेलू उद्योग की कीमत में संबद्ध देशों से हुए आयातों द्वारा कोई कटौती नहीं हो रही थी लेकिन यह देखा गया है कि सहयोगी निर्यातक द्वारा उपलब्ध कराए गए आंकड़ों के आधार पर कोरिया आरओके से हुए आयात डीजीसीआईएंडएस द्वारा सूचित आंकड़ों से अधिक हुए थे जिससे यह पता चलता है कि डीजीसीआई

एंड एस के आंकड़ों में समस्त आयातों और उनकी कीमतों का उल्लेख नहीं किया गया है। आंकड़ों का दूसरा स्रोत वर्ल्ड ट्रेड एटलस है। इस स्रोत के आंकड़ों से यह पता चलता है कि केवल चीन जन.गण. से आयात अत्यधिक मात्रा में हुए थे परंतु इनसे घरेलू बिक्री कीमत में 10-20% के बीच कटौती भी हो रही थी।

73. वर्तमान पाटनरोधी शुल्क संदर्भ कीमत के रूप में है जो घरेलू उद्योग की उत्पादन/बिक्री लागत के अनुसार निकाली गई क्षति रहित कीमत पर आधारित है। पांच वर्षों की अवधि के दौरान संदर्भ कीमत इस बात के मद्देनजर अप्रासंगिक बन गई है कि बिक्री कीमत में भारी वृद्धि हुई है।

74. इस जांच परिणाम के खंड-ग में किए गए विश्लेषण के अनुसार कोरिया के सहयोगी उत्पादक/निर्यातक की ओर से कोई पाटन नहीं किया गया था, तथापि चीन जन.गण. के संबंध में न केवल पाटन हुआ था, अपितु कीमत कटौती भी जारी रही थी। आयात संबंधी आंकड़ों से यह भी पता चलता है कि आधार वर्ष में 0.1 की तुलना में जांच अवधि के दौरान कुल आयातों में चीन जन.गण. का हिस्सा (डीजीसीआईएंडएस के आंकड़ों के अनुसार) बढ़कर 68% हो गया है।

75. यह भी नोट किया गया है कि चीन जन.गण. के संबंध में वर्ल्ड ट्रेड एटलस में सूचित आंकड़े डीजीसीआईएंड एस द्वारा सूचित आंकड़ों से काफी अधिक हैं। आगे यह भी नोट किया गया है कि वर्ल्ड ट्रेड एटलस में सूचित निर्यात की मात्रा डीजीसीआईएंड एस में सूचित मात्रा से काफी कम है। आगे यह नोट किया जाता है कि जांच अवधि के बाद चीन से भारत में होने वाले आयातों में वृद्धि जारी है। भारत के लिए निर्यात कीमत अन्य देशों की तुलना में कम है।

76. कोरिया आरओके के संबंध में, वर्ल्ड ट्रेड एटलस में सूचित आंकड़ों से यह पता चलता है कि वर्ष 2005, 2006 और 2007 में अन्य देशों के लिए कोरिया आरओके की कीमत देशवार अलग-अलग रही है। इनमें से एक देश के लिए निर्यात कीमत भारत के लिए निर्यात कीमत की तुलना में पर्याप्त कम रही है।

77. डब्ल्यूटीए के अनुसार संबद्ध देशों से निर्यात के आंकड़े निम्नानुसार हैं:

चीन से कास्टिक सोडा तरल (सीएसएल) तथा कास्टिक सोडा फ्लेक (सीएसएफ) के आयात (जुलाई से जून तक की अवधि)

	इकाई	जुलाई 2005 - जून 2006	जुलाई 2006 -- जून 2007	जुलाई 2007-जून 2008
सीएसएल-भारत	किग्रा.	42852418	122480960	163656050
सीएसएल- भारत	अम.डॉ./किग्रा.	.12	.16	.19
सीएसएल-आस्ट्रेलिया	किग्रा.	249216433	279537273	279393946
सीएसएल-आस्ट्रेलिया	अम.डॉ./किग्रा.	.13	.16	.19
सीएसएल- कनाडा	किग्रा.	0	161922147	229981959
सीएसएल-कनाडा	अम.डॉ./किग्रा.		.19	.26
सीएसएल-संयुक्त राज्य	किग्रा.	114897330	151326434	215506896
सीएसएल-संयुक्त राज्य	अम.डॉ./किग्रा.	.17	.15	.21
सीएसएल- ताइवान	किग्रा.	41855211	39715832	58407568
सीएसएल- ताइवान	अम.डॉ./किग्रा.	.19	.25	.28
सीएसएल- कुल विश्व	किग्रा.	678595353	1065343783	1176242235

सीएसएल- कुल विश्व	अम.डॉ./किग्रा.	.15	0.17	0.23
सीएसएल - भारत	किग्रा.	20737800	18182025	12604250
सीएसएल - भारत	अम.डॉ./किग्रा.	0.26	0.30	0.39
सीएसएल - बंगलादेश	किग्रा.	50128200	78332950	65096725
सीएसएल - बंगलादेश	अम.डॉ./किग्रा.	0.25	0.28	0.33
सीएसएल - वियतनाम	किग्रा.	39199930	51491873	58231000
सीएसएल - वियतनाम	अम.डॉ./किग्रा.	0.25	0.29	0.35
सीएसएल - नाइजीरिया	किग्रा.	37686425	32801000	29283800
सीएसएल - नाइजीरिया	अम.डॉ./किग्रा.	0.27	0.31	0.36
सीएसएल - ब्राजील	किग्रा.	15380125	10386000	16538570
सीएसएल - ब्राजील	अम.डॉ./किग्रा.	0.27	0.29	0.37
सीएसएल - पाकिस्तान	किग्रा.	18826400	1758000	8117090
सीएसएल - पाकिस्तान	अम.डॉ./किग्रा.	.27	0.28	0.34
सीएसएल - संयुक्त राज्य	किग्रा.	19935134	21018425	5893736
सीएसएल - संयुक्त राज्य	अम.डॉ./किग्रा.	0.34	0.35	0.41
सीएसएल - विश्व	किग्रा.	383134218	449800489	429072916
सीएसएल - विश्व	अम.डॉ./किग्रा.	.27	.30	.36

दक्षिण कोरिया से कार्बोनेट सोडा तरल (सीएसएल) का आयात (जनवरी से दिसंबर)

	इकाई	2005	2006	2007
सीएसएल-भारत	किग्रा.	20517088	24849142	16236899
सीएसएल- भारत	अम.डॉ./किग्रा.	0.29	0.27	0.30
सीएसएल-ऑस्ट्रेलिया	किग्रा.	85939685	147676182	163189448
सीएसएल-ऑस्ट्रेलिया	अम.डॉ./किग्रा.	.16	.19	.21
सीएसएल-संयुक्त राज्य	किग्रा.	75120097	74243035	66974735
सीएसएल-संयुक्त राज्य	अम.डॉ./किग्रा.	.29	.27	.33
सीएसएल-ब्राजील	किग्रा.	9137878	19666616	17809867
सीएसएल-ब्राजील	अम.डॉ./किग्रा.	.27	.23	.36
सीएसएल-कनाडा	किग्रा.	2996893	5009261	15918977
सीएसएल-कनाडा	अम.डॉ./किग्रा.	.25	.25	.31
सीएसएल-कुल विश्व	किग्रा.	221960552	310592599	296745750
सीएसएल-कुल विश्व	अम.डॉ./किग्रा.	.24	.23	.26

78. सहयोगी निर्यातक के आंकड़ों के विश्लेषण से यह पता चलता है कि जांच अवधि के दौरान सहयोगी निर्यातक की ओर से पाटन नहीं हुआ था, तथापि, वर्ल्ड ट्रेड एटलस के आंकड़ों से यह पता चलता है कि कोरिया से अन्य देशों को हुए निर्यात भारत के लिए कीमत से पर्याप्त भिन्न कीमत पर किए गए थे। आंकड़ों से यह भी पता चलता है कि इस बात की प्रबल संभावना है कि भारत को निर्यात जांच अवधि में सूचित कीमत से कम कीमत पर हो सकते हैं और निर्यात पाटित कीमतों पर किए जा सकते हैं।

79. चीन के मामले में अनुमानित पाटन मार्जिन से यह पता चलता है कि पाटन जारी है और भारत के लिए कीमत अन्य देशों की तुलना में कम है। रिकार्ड में ऐसी कोई सामग्री नहीं है जिससे यह पता चलता हो कि शुल्क समाप्त किए जाने की स्थिति में चीन जन.गण. से पाटन बंद हो जाएगा।

80. घरेलू उद्योग की वर्तमान स्थिति से मात्रा एवं वित्तीय रूप में निष्पादन में सुधार का पता चलता है। तथापि, यह भी देखा गया है कि इस उत्पाद के बाजार में भारी उतार-चढ़ाव रहता है और यह कीमत संवेदनशील है। इस समय घरेलू उद्योग के पास कुछ अनप्रयुक्त क्षमता बची हुई है और चीन जन.गण. से हुए आयातों ने मांग में बाजार हिस्सा हासिल कर लिया है। यदि शुल्क समाप्त कर दिया जाएगा तो इस बात की संभावना है कि संबद्ध देशों से निर्यात पाटित कीमतों पर किए जाएंगे जिससे घरेलू उद्योग की कीमत और परिणामतः उसकी लाभप्रदता और लाभ पर प्रतिकूल प्रभाव पड़ेगा।

झ. अंतिम जांच परिणाम

81. पूर्वोक्त पर विचार करने के बाद प्राधिकारी यह निष्कर्ष निकालते हैं कि:

- क. चीन जन.गण. के मूल की या वहां से निर्यातित संबद्ध वस्तु का भारत को निर्यात उसके सामान्य मूल्य से कम कीमत पर किया गया है जिसके परिणामस्वरूप पाटन हुआ है;
- ख. संबद्ध वस्तु पर पाटनरोधी शुल्क जारी रहने के दौरान घरेलू उद्योग के निष्पादन में सुधार हुआ है;
- ग. और संबद्ध देशों से संबद्ध वस्तु पर पाटनरोधी शुल्क समाप्त किए जाने से पाटन (चीन जन.गण. से) जारी रहने या उसकी पुनरावृत्ति (कोरिया आरओके) होने की संभावना है जिससे घरेलू उद्योग को हुई क्षति में पुनरावृत्ति हो सकती है।

ट. भारतीय उद्योग के हित एवं अन्य मुद्दे

82. पाटनरोधी शुल्क का उद्देश्य सामान्यतः पाटन के अनुचित व्यापार व्यवहार द्वारा घरेलू उद्योग को हुई क्षति को समाप्त करना है और भारतीय बाजार में ऐसी खुली और उचित प्रतिस्पर्धा की स्थिति बहाल करना है जो देश के सामान्य हित में है। पाटनरोधी उपाय लागू किए जाने से संबद्ध देशों से आयात किसी भी रूप में प्रतिबंधित नहीं होंगे और इसलिए उपभोक्ताओं के लिए उत्पादों की उपलब्धता प्रभावित नहीं होगी।

ठ. सिफारिशें

83. संबद्ध देशों से आयातों के कारण पाटन और क्षति की संभावना के सकारात्मक निर्धारण को ध्यान में रखते हुए प्राधिकारी का यह मत है कि संबद्ध देशों से आयातों के खिलाफ उक्त उपाय जारी रखने की जरूरत है। तथापि, संबद्ध देशों से पाटन के वर्तमान स्तर और घरेलू उद्योग के निष्पादन पर विचार करते हुए प्राधिकारी का यह मत है कि लागू उपाय में संशोधन किए जाने की जरूरत है। अतः प्राधिकारी ऐसा आवश्यक समझते हैं और संबद्ध देशों से संबद्ध वस्तु के आयातों पर नीचे उल्लिखित प्रपत्र और तरीके से पाटनरोधी शुल्क की सिफारिश करते हैं।

84. प्राधिकारी द्वारा अपनाए गए कमतर शुल्क नियम को ध्यान में रखते हुए वह पाटन मार्जिन और क्षति मार्जिन, जो भी कम हो, के बराबर अनंतिम पाटनरोधी शुल्क लगाने की सिफारिश करते हैं ताकि घरेलू उद्योग को हुई क्षति समाप्त की जा सके। इस बात पर विचार करते हुए कि मूल जांच में शुल्क संदर्भ कीमत आधार पर लगाया गया था, प्राधिकारी सबद्ध देशों के मूल की या वहां से निर्यातित संबद्ध वस्तु के सभी आयातों पर निम्नलिखित तालिका के कॉलम 9 में किए गए उल्लेख के अनुसार संदर्भ कीमत तथा पहुंच मूल्य के बीच के अंतर के रूप में निश्चयात्मक पाटनरोधी शुल्क जारी रखने की सिफारिश करते हैं यदि आयात के समय पहुंच मूल्य कॉलम 9 में उल्लिखित मूल्य से कम हो।

शुल्क तालिका

क्र. सं.	उप-शीर्ष	वस्तु विवरण	निर्दिष्ट	उद्गम का देश	निर्यात का देश	उत्पादक	निर्यातक	राशि	माप की इकाई	मुद्रा
1	2	3	4	5	6	7	8	9	10	11
1.	281511 281512	कास्टिक सोडा	कास्टिक सोडा तरल और कास्टिक सोडा ठोस/प्लेक्स	कोरिया आरओके	कोरिया आरओके	मै. हान्वा केमिकल्स कार्पोरेशन	मै. हान्वा कार्पोरेशन	अप्रयोज्य	डीएमटी	अम. डा.
2.	-वही-	-वही-	-वही-	कोरिया आरओके	कोरिया आरओके	मै. हान्वा केमिकल्स कार्पोरेशन	मै. ट्राइकोन इनर्जी लि. यूएसए	अप्रयोज्य	-वही-	-वही-
3.	-वही-	-वही-	-वही-	कोरिया आरओके	कोरिया आरओके	उपयुक्त क्र.सं. 1 व 2 को छोड़कर कोई अन्य		401.05	-do-	-वही-
4.	-वही-	-वही-	-वही-	कोरिया आरओके	कोरिया आरओके से इतर कोई देश	कोई	कोई	401.05	-वही-	-वही-
5.	-वही-	-वही-	-वही-	संबद्ध देश से इतर कोई देश	कोरिया आरओके	कोई	कोई	401.05	-वही-	-वही-
6.	-वही-	-वही-	-वही-	चीन जन.गण.	चीन जन.गण.	कोई	मै. ट्राइकोन इनर्जी लि. यूएसए	401.05	-वही-	-वही-
7.	-वही-	-वही-	-वही-	चीन जन.गण.	चीन जन.गण.	उपरोक्त क्र.सं. 6 से इतर कोई देश		401.05	-वही-	-वही-
8.	-वही-	-वही-	-वही-	चीन जन.गण.	चीन जन.गण. से इतर कोई देश	कोई	कोई	401.05	-वही-	-वही-
9.	-वही-	-वही-	-वही-	संबद्ध देशों से इतर कोई देश	चीन जन.गण.	कोई	कोई	401.05	-वही-	-वही-

85. इस प्रयोजनार्थ आयातों का पहुंच मूल्य सीमाशुल्क अधिनियम, 1962 के अंतर्गत सीमाशुल्क द्वारा यथाआकलित निर्धारणीय मूल्य होगा और उसमें सीमाशुल्क टैरिफ अधिनियम, 1975 की धारा 3, 3क, 8 1, 9 और 9क के अंतर्गत लगाए गए शुल्कों को छोड़कर सभी सीमाशुल्क शामिल होंगे ।

86. इस जांच परिणाम को केन्द्र सरकार द्वारा स्वीकार किए जाने के बाद इसके खिलाफ कोई अपील उक्त अधिनियम के संगत उपबंधों के अनुसार सीमाशुल्क, उत्पाद शुल्क और सेवाकर अपीलीय न्यायाधिकरण में दायर की जा सकेगी ।

आर गोपालन, निर्दिष्ट प्राधिकारी

MINISTRY OF COMMERCE AND INDUSTRY

(Department of Commerce)

(Directorate General of Anti-Dumping and Allied Duties)

NOTIFICATION

New Delhi, the 21st November, 2008

Final Findings

(Sunset Review)

Subject : Anti-Dumping (Sunset Review) investigations concerning imports of Caustic Soda originating in or exported from China PR and Korea ROK.

No. 15/11/2007-DGAD.—Having regard to the Customs Tariff Act, 1975 (hereinafter referred to as Act) as amended in 1995 and the Customs Tariff (Identification, Assessment and Collection of Anti-Dumping Duty on Dumped Articles and for Determination of Injury) Rules, 1995 (hereinafter referred to as Rules);

A. BACKGROUND

2. Whereas, having regard to the Customs Tariff Act, 1975 as amended in 1995 and the Customs Tariff (Identification, Assessment and Collection of Anti-dumping Duty on Dumped Articles and for Determination of Injury) Rules, 1995, the Designated Authority (herein after referred to as Authority) recommended imposition of Anti Dumping Duty on imports of Caustic Soda(hereinafter referred to as subject goods) originating in or exported from China PR and Korea ROK (hereinafter referred to as subject countries). The preliminary findings and final findings of the Authority were published vide notifications dated 21.9.2002 and dated 4.8.2003 respectively. On the basis of findings, provisional duty and definitive anti dumping duties on the subject goods imported from subject countries were imposed by the Department of Revenue vide notifications No. 142/2002-Cus. dated 26.12.2002 and notification No. 142/2003-Cus. dated 23.9.2003 respectively.

3. The Designated Authority, in terms of section 9A (5) of said Act. received a substantiated application from M/s Alkali Manufacturers Association of India, New Delhi requesting for review and continuation of the anti-dumping duties levied on the subject goods, for another five years on the grounds that the dumping had continued in spite of imposition of anti-dumping duty on imports of subject goods from subject countries and the domestic industry continued to suffer injury on account of dumping by the subject countries. It was also claimed that expiry of measure against the subject country would be likely to result in continuation or recurrence of dumping and injury to the domestic industry. The Designated Authority issued a Public Notice No. 15/11/2007-DGAD

dated 22.11.2007, published in the Gazette of India, Extraordinary, initiating anti-dumping (Sunset Review) investigations, to examine whether the expiry of anti dumping duty would lead to continuation or recurrence of dumping, injury or both.

B. PROCEDURE

4. In these proceedings the procedure described below has been followed:

- i) After initiation of the review the Authority sent questionnaires, along with the initiation notification, to the known exporters/producers in the subject countries in accordance with the Rule 6(4), to elicit relevant information.
- ii) Notices were also sent to the domestic industry in India seeking relevant information in accordance with the Rules;
- iii) The Embassies of the subject countries in New Delhi were informed about the initiation of the investigation, in accordance with Rule 6(2), with a request to advise the exporters/producers in their countries to respond to the questionnaire within the prescribed time.
- iv) Questionnaires were sent to the known importers and consumers of subject goods in India calling for necessary information in accordance with Rule 6(4).
- v) Transaction-wise data of imports for the period of investigation and preceding three years were called from Directorate General of Commercial Intelligence and Statistics (DGCI&S) and have been relied upon in this investigation;
- vi) Copies of the initiation notification were also sent to FICCI, CII and ASSOCHAM for wider circulation.
- vii) M/s. Hanwha Chemicals Corporation (producer) along with exporter, Korea ROK, and M/s Tricon Energy Ltd., USA for export from China PR responded to the initiation notification and provided the information. The information provided by the exporters to the extent possible have been verified and relied upon in this findings. Other exporters/importers who have not responded and provided any information have been treated as non-cooperating interested parties.
- viii) M/s Alkali Manufacturers' association of India, being domestic industry, submitted the information/data. The Authority verified the information furnished by the domestic industry to the extent possible on the basis of Generally Accepted Accounting Principles (GAAP) to examine the injury suffered, to work out optimum cost of production, cost to make and sell the subject goods in India and so as to ascertain if Anti-Dumping duty lower than the dumping margin would be sufficient to remove injury to Domestic Industry;
- ix) The Authority held a public hearing on 17.9.2008 to hear the interested parties orally, which was attended by representatives of interested parties. The written submissions received from interested parties have been considered in this findings;
- x) The Authority made available the public file as per Rule 6(7) to all interested parties containing non-confidential version of all evidence submitted by various interested parties for inspection, upon request.
- xi) The views expressed by various interested parties in response to the initiation notification and subsequent to the public hearing are discussed in the relevant paragraphs to the extent these are relevant as per rules and have a bearing upon the case.

- xii) In accordance with Rule 16 of Rules Supra, the essential facts/basis considered for these findings were disclosed to known interested parties and comments received thereon have also been duly considered in the findings.
- xiii) Investigations were carried out for the period of investigation (POI) from 1.7.2006 to 30.6.2007. However, injury analysis have been carried out for the years 2004-05, 2005-06, 2006-07 and the period of investigation.

B.1 PRODUCT UNDER CONSIDERATION AND LIKE ARTICLE

5. The product under consideration in the present case is Caustic soda, which is chemically known as NaOH. Being a sunset review investigation, product under consideration in the present application is the same as has been in the original investigation. In the final findings of the original investigation, the Designated Authority had defined the product under consideration as follows:

6. The product under consideration in the present investigation is Sodium Hydroxide (chemical nomenclature of NaOH), commonly known as Caustic Soda originating in or exported from Korea ROK and China PR. Caustic Soda is an inorganic, soapy, strongly alkaline and odourless chemical and finds application in various fields like manufacture of pulp and paper, newsprint, viscose yarn, staple fibre, aluminium, cotton, textiles, toilet and laundry soaps, detergent, dyestuffs, drugs and pharmaceuticals, petroleum refining, etc.

7. Caustic soda is classified under chapter 28 of the Customs Tariff Act, 1975 under Customs head 2815.11 and 2815.12. As per ITC 8-digit classification, the product is classified under the Custom Heading 2815.1101, 2815.1102 and 2815.1200.

8. Caustic soda is produced in two forms, i.e. lye and solids by three technology processes, i.e. mercury cell process, diaphragm process and membrane process. Liquid form can be converted into solid and the solid form can be reconverted in liquid with ease and without any change in the chemical properties of the product. The solid form has ease of storage and transportation whereas the liquid form has easy solubility. For end use both the forms are substitutable and interchangeable. The domestic industry produces caustic soda in two forms and are comparable with the imports from subject countries, therefore, is being treated as like article within meaning of 2(d) of the Rules.

B.2 DOMESTIC INDUSTRY

9. In the present investigation the application for anti-dumping investigation was filed by M/s Alkali Manufacturers' Association of India on behalf of the domestic industry. The following domestic producers provided information/data for the purpose of investigation:

- Gujarat alkalies & Chemicals Ltd.
- Indian Petrochemicals corporation Ltd.
- SIEL Chemical Complex.
- Shriram Alkalies & Chemicals
- Bihar Caustics & Chemicals

- Grasim Industries Ltd.
- Jayshree Chemicals
- Shriram Vinyl, Kota

B.3 Views of the Interested Parties (M/s Hanwha Chemicals Corporation, M/s Hanwha Corporation, Tricon Energy Ltd. and M/s Hindustan Unilever Ltd.)

a) Constituents of the domestic industry and non-cooperative domestic producers

10. It has been alleged that the petitioning industry/association has always been conveniently excluding/including members of its association to take part in the investigation before the authority based on circumstances and timing of the investigation. The reasons meted out by the petitioner have been that the companies who have cooperated in this investigation for majority of the domestic industry and, therefore, reflect the injury data for the industry. It has been submitted that if the reasons made out by the petitioner are true, the sequence of selective participation from investigation to investigation within the majority players mandates to have a sufficient reasonable cause. In addition to this, the petitioners who have participated "on a need basis" in these investigations, there are other domestic producers who have not participated at all and at the same time constitute a significant proportion of domestic industry quote as a whole. The factual position may not affect the issues of 'standing', but clearly needs to be considered at the time of conducting the injury analysis.

b) Issue of Costing

11. It has been submitted that world-wide operationally and financially produce caustic soda and chlorine are treated as two products. It is a matter of chemical law that the reactions to produce caustic soda necessarily produces chlorine and that the costing/pricing of caustic soda and chlorine are intimately linked and measured in the concept of ECU.

12. The domestic industry is subject to the Cost Accounting Records (Caustic Soda) Rules, 1967. Under clause 'b' of item VII of the Cost Statements of the above Rules, it is stated as under:

"Where more than one product arises from a process, the costs shall be allocated to the different products on some reasonable basis and shall be consistently applied during the relevant period. The basis on which such joint cost is allocated to the different products arising from the process shall be indicated in the cost records. Where Chlorine gas produced is not fully utilized either for production of other products or for sale, the sale value of the quantities actually utilized may, if the company so desires, be credited as a separate item in the Proforma 'A' as in the cost of Hydrogen instead of allocating a portion of joint costs to Chlorine gas as provided in that proforma."

13. By referring to Chlorine Costing under Caustic Soda Rules, this establishes that Chlorine and Caustic are co-products and hence while determining cost/profitability of the Caustic Soda manufacturer, the total realization from Chlorine and Caustic Soda (ECU) needs to be considered. It is, therefore, submitted that the Hon'ble Designated Authority needs to look at the cost of manufacture and profitability on an ECU basis.

B.4. Examination by the Authority

14. The Authority has noted that the application was filed by Alkali Manufacturers Association of India which is an association of all producers of caustic soda. The data for investigation and verification was provided by members mentioned in para 9 of the findings. The Authority notes that 'standing' is not to be checked during the sunset review. Further for injury analysis, the Authority procured cost audit reports of some other producers, however, it was noted that it was not possible to use the information for injury analysis as information provided in the cost audit reports relate to period different from that of POI. The information provided in the cost audit reports was, however, used to estimate the NIP to compare the same with the NIP calculated on the basis of data of the participating producers. It has been argued by the interested parties (M/s Hanwha Chemicals Corporation, M/s Hanwha Corporation, Tricon Energy Ltd. and M/s Hindustan Unilever Ltd.) that chlorine and caustic soda are co-products and hence while determining cost/profitability of the caustic soda manufacturers, the total realization from chlorine and caustic soda needs to be considered. In other words, it has been argued that cost of caustic soda should be calculated by method other than one adopted and historically books of records kept by the domestic industry. However, for determining the cost of sale of the cooperating exporters, it was insisted that cost of sale should be determined as per the books of records kept by them and not by any other method. The Authority has noted that the cost element are to be taken into account in accordance with Article 2.2.1.1 of ADA and para 1 of Annexure-1 of Anti-dumping Rules as per books of records kept by the exporter or producer. The Authority, therefore, has calculated the elements of cost on the basis of books of records kept by all interested parties i.e. cooperating exporter and different producers of the domestic industry.

C. METHODOLOGY FOR CALCULATION OF DUMPING MARGIN

Dumping Determination: Normal Value, Export Price and Dumping Margin

Korea ROK

15. The Authority sent copies of the questionnaire to all the known exporters for the purpose of determination of normal value in accordance with Section 9A(1)(c). M/s Hanwha Chemicals Corporation (HCC), producer and exporter from Korea ROK responded to the initiation notification and provided information on the prescribed Exporter's Questionnaire. It was explained that the subject goods were produced by HCC, producer and sold through related company Hanwha Corporation.

16. Another company, Tricon Energy Ltd., USA also responded to the initiation and provided information on the Exporter Questionnaire for the subject goods sold to India produced by HCC. The goods produced by HCC was sold through Hanwha Corporation to Tricon Energy which in turn sold the same in India.

17. HCC during the POI has sold the goods in the domestic market. Sample transactions of the domestic sale were test verified during on the spot investigation. The transactions of domestic sale of goods produced by the company have been taken into consideration for determination of normal value.

Normal Value for Korea ROK

18. The cooperating exporter M/s Hanwha Chemical Corporation (HCC) provided information on transaction-wise details of sale in home market. It was explained that the delivery of goods in the domestic market was through different modes of transportation depending upon the location of the buyer. The invoice in the domestic sales were made on the solution MT basis, however, for the purpose of the investigation, the same has been converted into Dry MT basis (DMT). For the purpose of determination of normal value, the domestic sales of the goods produced by the company have been taken into consideration. The adjustments were claimed concerning credit, internal transportation, insurance, handling and commission. The expenses claimed for adjustment have been permitted after test verification. After adjustments, the normal value has been determined as US\$ *** DMT.

Export Price for Hanwha Corporation & M/s Tricon Energy Ltd., USA

19. M/s Hanwha Corporation provided transaction-wise information on export sales to India. For determination of export price, only those transactions have been taken into consideration for which the complete chain of transactions could be established. The goods invoiced to related company in other country for which the chain could not be established, has been excluded. The export sale made through Tricon Energy, USA have also been taken into consideration. For determination of net export price, the expenses incurred by M/s Tricon Energy on account of insurance and freight, etc. in addition to profit have been adjusted. For calculating the net export price for sale made through Hanwha Corporation, expenses on account of overseas freight, credit and bank expenses, have been adjusted. By making these deductions, the net export price has been calculated as US\$ *** DMT.

Export Price for Non-cooperating Exporters

20. For Non-cooperating exporters, the net export price has been calculated on the basis of lowest value export transaction of the cooperating producer/exporter. For non-cooperating exporter, the net export price has been calculated as US\$ *** DMT.

China PR

21. The Authority sent copies of exporter's questionnaire and questionnaire on market economy treatment to exporters in china PR. The exporter M/s S P Chemical (Taixing) Co. Ltd. responded to the initiation notification and provided information. Subsequently, the company did not respond to the letters of the Authority and rectified deficiencies pointed out. The company was declared non-cooperative. An exporter, M/s Tricon Energy Ltd., USA has provided information on the exports made to India which was purchased from M/s S P Chemicals. As no producer from China has cooperated in this investigation and provided any information for rebutting the non-market treatment as per para 8(2) of Annexure 1 of the AD Rules therefore, the presumption of non market economy as per para 8(2) of Annexure 1 of the AD Rules remain unrebutted. The authority, therefore, has determined the normal value in accordance with para 7 of the above said annexure. In absence of any information, the Authority has determined the normal value by adopting the method "or any other reasonable basis".

Normal Value for China PR

22. The Authority has constructed the normal value by taking the domestic prices of the raw material (international prices of raw material as per DGCIS data were not represented and was much higher than the domestic prices of raw material), consumption norms and conversion cost of the domestic industry. To this a profit margin @ 5% has been added. By this method, the normal value has been determined as US\$ *** DMT for lye and US\$ *** DMT for solid.

Export Price for M/s Tricon Energy Ltd., USA

23. The exporter M/s Tricon Energy Ltd. has provided the export-wise transaction details of the exports made to India for the subject goods procured from Korea ROK and China PR. For determination of export price, all transactions of export and procured from China have been taken into consideration. The sale by S P Chemicals to Tricon Energy were made on the fob basis, however, the sale in India by the Tricon Energy were made on cif or cfr basis. To determine the ex-factory export price, the expenses incurred on account of internal transportation and other misc. expenses have been adjusted from the sale price from M/s S P Chemicals to M/s Tricon Energy Ltd. By this methodology, the export price has been calculated as US\$ *** DMT.

Export Price for Non-cooperating exporters from china PR

24. The Authority noted that there is a considerable difference in volume and prices as reported in DGCIS and World Trade Atlas (on the basis of China custom data). The export price has been determined on the basis data of the World Trade Atlas. For determination of export price, all reported transactions have been taken into account and export price has been calculated on weighted average basis. To calculate the net export price, expenses on internal freight and trade handling charges have been deducted. By this method, the net export price has been calculated as US\$ ***/DMT for lye and US\$ ***/DMT for solid.

Dumping Margin

25. Based on the normal value and export price as determined above, the Authority determined the dumping margin as under:

Dumping Margin

Exporter/Producer	Normal Value USD/DMT	Export Price USD/DMT	Dumping Margin USD/DMT	Dumping Margin %
M/s Tricon Energy Ltd., USA (Lye)	***	***	***	17.91
Non-cooperating exporters from China(LYE)	***	***	***	***
Non-cooperating exporters from China(Solid)	***	***	***	***
Non-cooperating exporters from	***	***	***	65.08

China(weighted Average)				
Hanwha Chemical Corporation through Hanwha Corporation and Tricon Energy Ltd. (Lye)	***	***	***	-1.21
Non-cooperating exporters from Korea ROK (Lye)	***	***	***	8.18

D. METHODOLOGY FOR INJURY DETERMINATION AND EXAMINATION OF CAUSAL LINK

INJURY DETERMINATION

Examination by the Authority

26. The Authority has taken note that for the sunset review, the relevant provisions of Section 9(A)(5) of the Customs Tariff Act read as under:

"The anti-dumping duty imposed under this section shall, unless revoked earlier, cease to have effect on the expiry of five years from the date of such imposition:

Provided that if the Central Government, in a review, is of the opinion that the cessation of such duty is likely to lead to continuation or recurrence of dumping and injury, it may, from time to time, extend the period of such imposition for a further period of five years and such further period shall commence from the date of order of such extension."

27. Rule 23 of the Anti-dumping Rules provide for procedure for conducting sunset review. For conducting the review, the provisions of Rule 6,7,8,9/10, 11, 16,17,18,19 and 20 have been made applicable. The Authority notes that as per Rules, present state of injury is to be assessed in the sunset review.

28. In this regard Article 3.1 of the ADA and Annexure II of the AD Rules provide for an objective examination of both, (a) the volume of dumped imports and the effect of the dumped imports on prices in the domestic market for the like products; and (b) the consequent impact of these imports on domestic producers of such products, with regard to the volume effect of the dumped imports. The authorities are required to examine whether there has been a significant increase in imports, either in absolute term or relative to production or consumption in the importing member. With regard to the price effect of the dumped imports, the authorities are required to examine whether there has been significant price undercutting by the dumped imports as compared to the price of the like product in the importing country, or whether the effect of such imports is otherwise to depress prices to a significant degree, or prevent price increase, which would have otherwise occurred to a significant degree.

29. For the purpose of assessing present state of injury, the Authority has examined the volume and price effects of dumped imports of the subject goods on the domestic industry and its effect on the prices and profitability to examine the existence of injury and causal links between the dumping and injury, if any.

(A) **VOLUME EFFECT:** Volume effect of dumped imports and impact on domestic industry:

30. The effects of volume of dumped imports from subject country has been examined as follows:

Import volumes and share of the subject country:

Particulars	Unit	2004-05	2005-06	2006-07	July'06- June'07(POI)
Market share in Imports					
Korea ROK	MT	17,960	22,016	14,907	23,421
China PR	MT	59	14,373	98,424	91,537
Subject Countries	MT	18,019	36,390	1,13,331	1,14,958
Countries already attracting anti-dumping duty	MT				
		16,144	16,239	28,813	16,163
Other Countries	MT	25,359	1,897	6,136	2,829
Total Imports	MT	59,522	54,526	1,47,480	1,33,950
Trend	Indexed	100	91.61	247.78	225.04
Market share in Imports					
Korea ROK	%	30.17	40.38	10.11	17.48
China PR	%	0.10	26.36	66.74	68.34
Subject Countries	%	30.27	66.74	76.84	85.82
Countries already attracting anti-dumping duty	%				
		27.12	29.78	18.99	12.07
Other Countries	%	42.60	3.48	4.16	2.11

31. It has been noted that there is considerable difference in volume and value of imports data provided by DGCI&S and as available from the World Trade Atlas. It was confirmed from verified transactions of imports from Korea ROK that all transactions of imports were not captured in the DGCI&S data, however, DGCI&S has provided transaction-wise data on imports, the same has been relied on for analysis in this findings. The data shows that imports from subject countries has risen from 18,019 MT in 2004-05 to 1,14,958 MT in POI. The total imports rose from 59,522 MT to 1,33,950 MT. The share in imports of subject countries has increased from 30.27% in 2004-05 to 85.82% in POI. The share of countries already attracting duty fell from 27.12% to 12.07% during the same period.

32. It has been noted that the demand of the subject goods grew by 13% in POI as compared to base year. The market share of the subject countries increased by less than 1% in 2004-05 to 5.44% in POI.

Demand, Production and Market Shares

Particulars	Unit	2004-05	2005-06	2006-07	POI
Demand	MT.	18,64,193	19,58,812	20,86,990	21,14,738
Trend	Indexed	100	105.08	111.95	113.44
Domestic Industry	MT.	7,49,242	7,92,046	8,06,912	8,44,811
Captive consumption	MT	1,67,570	1,58,397	1,58,422	1,70,353
Sale of other producers	MT.	8,87,859	9,53,844	9,74,176	9,65,624
Imports – subject countries	MT.	18,019	36,390	1,13,331	1,14,958
Imports – other countries	MT	41,502	18,136	34,149	18,992
Market Share in demand					
Domestic Industry (incl. captive)	%	49.18	48.52	46.25	48.00
Other Indian producers	%	47.63	48.70	46.68	45.66
Imports from Korea	%	0.96	1.12	0.71	1.11
Imports from China PR	%	0	0.73	4.72	4.33
Subject countries	%	0.97	1.86	5.43	5.44
Other countries attracting duty	%	0.86	0.82	1.35	0.76
Other countries	%	1.36	0.10	0.29	0.13
Total Imports	%	3.19	2.78	7.07	6.33

33. The demand of the subject goods has been calculated by addition of domestic sales including captive consumption of the domestic industry, estimated sales of the other Indian producers and all imports from all countries.

34. The above data indicate that demand grew by 13% in POI as compared to base year. During the same period, the market share of domestic industry declined from 49.18% to 48%, the share of other producers which was 47.63% declined to 45.66% and the share of subject countries increased from less than 1% to 5.44%. However, it is noted that the share of total imports has increased from 3.19% in base year to 6.33% in the POI.

a) Capacity, Capacity Utilisation and Production of the Domestic Industry

Particulars	Unit	2004-05	2005-06	2006-07	POI
Capacity	MT	8,69,057	9,56,320	11,46,875	11,50,375
Trends	Indexed	100	110	132	132
Production	MT	8,59,156	9,22,225	9,68,632	10,01,988
Trend	Indexed	100	107	113	117
Capacity	%	98.86	96.43	84.46	87.10

Utilization					
Trend	Indexed	100	98	85	88

35. The above data shows that the domestic industry has increased capacity in 2005-06 and 2006-07/POI as compared to base year. The capacity increased by 10% in 2005-06 and 32% in 2006-07/POI as compared to base year.

36. The production of the subject goods grew by 7% in 2005-06, 13% in 2006-07 and 17% in POI as compared to base year. The capacity utilization (enhanced capacity) declined to 87% in POI as compared to 99% in the base year. It has been noted that the capacity utilization of those producers have declined who had added capacity during the injury period.

b) Sales of Domestic Industry

Particulars	Unit	2004-05	2005-06	2006-07	POI
Domestic sales Lye	MT	5,42,838	5,76,125	6,19,462	6,50,685
Trend	Indexed	100	106.13	114.12	119.87
Domestic sales - Flake	MT	2,06,404	2,15,921	1,87,451	1,94,125
Trend	Indexed	100	104.61	90.82	94.05
Sales - Exports	MT	16,292	32,077	41,856	33,630
Trend	Indexed	100	196.89	256.91	206.42
Captive consumption	MT	1,67,570	1,58,397	1,58,422	1,70,353
Trend	Indexed	100	94.53	94.54	101.66
Total domestic Sales	MT	9,16,812	9,50,443	9,65,334	10,15,163
Trend	Indexed	100	103.67	105.29	110.73
Total domestic sale excl. captive consumption	MT	7,49,242	7,92,046	8,06,912	8,44,811
Trend	Indexed	100	106	108	113

37. The domestic industry is selling the subject goods in Lye and solid (including flake) form. The above data shows that domestic sale (lye) of the domestic industry has increased by 19% in POI as compared to base year. The domestic sale of subject goods in solid form has declined to 94 (indexed) as compared to 100 of the base year. The captive consumption, however, has not changed from base year to POI. The total domestic sale including captive consumption increased by 11% in POI as compared to base year. The total domestic sale excluding captive consumption indicate similar trend, however, it increased by 13% in POI as compared to base year.

(B) Price Effect of the Dumped imports on the Domestic Industry

38. The impact on the prices of the domestic industry on account of imports from the subject countries have been examined with reference to the price undercutting, price underselling, price suppression and price depression, if any. For the purpose of this analysis, weighted average Net Sales Realisation (NSR) and the Non-Injurious Price (NIP) of the domestic industry (worked out on the basis of the costing

information of the domestic industry) have been compared with landed value of imports from the subject countries.

Price Undercutting - China

Particulars	Unit	2004-05	2005-06	2006-07	POI
Export Price-Lye	Rs./MT	Nil	14804	15533	15455
Landed Value-Lye	Rs./MT	Nil	17195	17649	17463
Export Price - Flakes	Rs./MT	13209	14840	14616	15223
Landed Value - Flakes	Rs./MT	16010	17237	16607	17202
Net Sales Realisation (Lye)	Rs./MT	***	***	***	***
Net Sales Realisation (Flake)	Rs./MT	***	***	***	***
Price Undercutting - Lye	Rs Mt		***	***	***
Price Undercutting - Lye	%		***	***	***
Price Undercutting - Flake	Rs Mt	***	***	***	***
Price Undercutting Flake	%	***	***	***	***

Price Undercutting – Korea ROK

Particulars	Unit	2004-05	2005-06	2006-07	POI
Export Price – Lye	Rs./MT	7940	13520	16272	15536
Landed Value-Lye	Rs./MT	9623	15704	18489	17554
Net Sales Realisation (Lye)	Rs./MT	***	***	***	***
Price Undercutting – Lye	Rs MT	***	***	***	***
Price Undercutting – Lye	%	***	***	***	***

Price Undercutting – Subject Countries

Particulars	Unit	2004-05	2005-06	2006-07	POI
-------------	------	---------	---------	---------	-----

Landed Value-Lye	Rs./MT	9623	16130	17797	17485
Landed value -Flake	Rs./MT	16010	17268	16608	17202
Landed value – weighted average	Rs./MT				17439
Net Sales Realisation (Lye)	Rs./MT	***	***	***	***
Net Sales Realisation (Flake)	Rs./MT	***	***	***	***
Price Undercutting – Lye	Rs/MT	***	***	***	***
Price Undercutting – Lye	%	***	***	***	***
Price Undercutting – Flake	Rs/MT	***	***	***	***
Price Undercutting (Flake)	%	***	***	***	***
Price Undercutting – Weighted average	Rs./MT				***

Price Underselling

(Value in Rs./KG)

Net Sales Realisation (Lye)	***
Net Sales Realisation (Flake)	***
Net Sales Realisation (weighted average)	***
Non Injurious Price (Lye)	***
Non Injurious Price (Flake)	***
NIP (weighted average)	***
Landed Value (Korea ROK) - Lye	17554
Price Underselling-Lye (Korea ROK)	***
Price Underselling (%)	***
Price Underselling range	
Landed value (China PR) – Lye	17463
Landed Value (China PR) - Flake	17201
Landed Value (China) – Wt. Avg.	17409
Price Underselling (China PR) Lye	***
Price Underselling - Flake	***
Price Underselling (China PR Wt Avg)	***

Price Underselling (%) - Lye	***
Price Underselling (%) - Flake	***
Price Underselling (%) - Wt. Avg.	***
Landed value (Subject Countries)	***
Price Underselling	***
Price Underselling (%)	***
Price Underselling range	

39. A comparison for subject goods during the period of investigation was made between the weighted average landed value of dumped imports and the domestic selling price in the domestic market. In determining the net sales realization of the domestic industry, taxes, the rebates, discounts and commission offered by the domestic industry have been adjusted.

40. The export price (lye) from the subject countries has shown rising trend. The export price has increased from 2003-04 to 2005-06, however, there was slight decline in the POI. During the same period, the customs duty declined from 20% in base year to 10% in POI. The landed value from the subject countries continued to increase till 2005-06, however, there was slight decline in the POI. The net selling price (lye) of the domestic industry continued to increase from base year to POI. The price undercutting from the subject countries was negative in 2005-06, 2006-07 and POI. In respect of subject goods (in solid form), the imports have been reported from China PR only. The export price continued to increase from base year to POI, however, the net sale realization of the domestic industry continued to increase till 2006-07, however, it declined in the POI.

41. It has been noted that the undercutting of the prices of subject goods (lye) by imports from subject countries were negative, however, undercutting of the prices of subject goods (solid form) by imports were in the range of 7-15% in POI. On the basis of World Trade Atlas data, the undercutting was in the range of 5-10% (lye and solid in respect of China PR)

42. The price underselling is an important indicator of assessment of injury; thus, the Authority has worked out a non injurious price and compared the same with the landed value to arrive at the extent of price underselling. The non-injurious price has been evaluated for the domestic industry by appropriately considering the cost of production for the product under consideration during the POI. The analysis shows that the underselling during POI from Korea was negative, however, in respect of China PR, the underselling was positive. It was less than 5% during POI. The underselling for the subject countries was also less than 5%. On the basis of World Trade Atlas data, the underselling was in the range of 20-25% (lye and solid in respect of China PR.).

Examination of other Injury Parameters

43. After having examined the effect of dumped imports on the volumes and prices of the domestic industry and major injury indicators like volume and value of imports, capacity, output, capacity utilization and sales of the domestic industry as well as demand pattern with market shares of various segments in the earlier section, other

4630 GI/08-6

economic parameters which could indicate existence of injury to the domestic industry have been analysed hereunder as follows:

(i) Profits and Actual and Potential Effects on Cash Flow

(Merchant sale)

Particulars	Unit	2004-05	2005-06	2006-07	POI
Profitability					
Cost of sales (Lye)	Rs./MT	***	***	***	***
Trend	Indexed	100	102.76	114.98	116.96
Selling Price (Lye)	Rs./MT	***	***	***	***
Trend	Indexed	100	120.35	129.87	130.56
Profit/ Loss (Lye)	Rs./MT	***	***	***	***
Trend	Indexed	100	228.32	221.26	214.04
Cost of sales (Flake)	Rs./MT	***	***	***	***
Trend	Indexed	100	103	122	120
Selling Price (Flake)	Rs./MT	***	***	***	***
Trend	Indexed	100	112	125	123
Profit/ Loss (Flake)	Rs./MT	***	***	***	***
Trend	Indexed	100	133	132	132
Profit/Loss(PBIT)	Rs. Lacs	***	***	***	***
Trend	Indexed	100	166	165	169
Cash Profit	Rs. Lacs	***	***	***	***
Trend	Indexed	100	165	168	173

44. The profitability of the merchant sales of the domestic industry has been analyzed from the records of the domestic industry.

45. The data shows that the cost of sales of Lye increased by 17% in POI as compared to base year and the selling price increased by 31% in the same period. In terms of rupees, the cost of sales increased by Rs.1773/MT. in POI as compared to base year whereas the selling price increased by Rs.3717/MT. during the same period. The profit per MT increased by 114% in POI as compared to base year. In terms of rupees it increased by Rs.1943/MT. The data also shows that the cost of sales of solid (incl. flakes) increased by 20% in POI as compared to base year and the selling price increased by 23% in the same period. In terms of rupees, the cost of sales increased by Rs.2144/MT. in POI as compared to base year whereas the selling price increased by Rs.3591/MT. during the same period. The profit per MT increased

by 114% in POI as compared to base year. In terms of rupees, it increased by Rs.1447/MT

46. The profit (PBIT) in indexed form increased by 69% in POI as compared to base year.

47. Majority of producers of the domestic industry are multi-product company therefore it was not possible to determine the actual magnitude of cash-flow of the product. However, the cash flow profit has been determined by addition of amount of depreciation to the profit (profit before tax). The trend shows that the cash profit has increased by 73% in POI as compared to base year.

(ii) Employment and Wages

Particulars	Unit	2004-05	2005-06	2006-07	POI
Employees	Nos.	***	***	***	***
Trend	Indexed	100	99.24	97.42	97.15
Wages paid to employees	Rs. Lacs	***	***	***	***
Trend	Indexed	100	114.54	133.53	137.45

48. The number of employees actually declined to 97 (indexed) as compared to 100 of the base year. It is noteworthy that the no. of employees have declined despite the addition of capacity by the domestic producers. The wages paid to employees, however has increased by 37% in POI as compared to base year.

(iii) Productivity

Particulars	Unit	2004-05	2005-06	2006-07	POI
Production	MT	8,59,156	9,22,225	9,68,632	10,01,988
Trend	Indexed	100	107	113	117
Productivity per employee	MT	***	***	***	***
Trend	Indexed	100	108.16	115.73	120.05

49. The data shows that productivity calculated as a production per employee has improved by 20% in POI as compared to base year.

(iv) Inventories

Particulars	Unit	2004-05	2005-06	2006-07	POI
Average inventories	MT	***	***	***	***
Trend	Indexed	100	76.24	78.45	123.93
No. of days sales	Days	***	***	***	***

50. The data on inventory shows that average inventory has increased by 24% in POI as compared to base year. However, in terms of days' sales, the inventory remained same in POI as compared to base year. It was 5 days in base year, declined to 4 days in 2005-06 and 2006-07, however, in POI it was 6 days.

(v) Return on Investment and Ability to Raise Capital

Particulars	Unit	2004-05	2005-06	2006-07	POI
NFA	Rs. Lacs	***	***	***	***
Working Capital	Rs. Lacs	***	***	***	***
Capital Employed- NFA Basis (Total)	Rs. Lacs	***	***	***	***
Trend	Indexed	100	113	126	123
Return on Capital Employed (Domestic)	%	***	***	***	***
Trend	Indexed	100	146	132	138

51. The domestic industry has increased the capital employed during POI as compared to base year. The increase in capital employed was on account of net fixed assets. It has been noticed that working capital has declined in POI as compared to base year. The total capital employed increased by 23% during POI as compared to the base year. The return on capital employed improved in POI as compared to base year. In indexed form, the return on capital employed increased by 42% in POI as compared to base year.

vi) Factors affecting prices

52. Evaluation of export prices from subject countries shows that the prices have increased from base year to POI. The customs duty has, however, been declining from base year to POI. From 20% in 2003-04 it declined to 10% during POI. The landed value of the subject goods increased from base year to POI. The cost of sales of the domestic industry also increased from base year to POI.

vii) Growth

53. The capacity, production, sale, productivity, profits and return on capital employed of the domestic industry shows positive growth.

E. Conclusion on Injury

54. The interested parties (M/s Hanwha Chemicals Corporation, M/s Hanwha Corporation, M/s Tricon Energy Ltd. and M/s Hindustan Unilever Ltd.) raised the issue that the distinction between subject goods into lye and solid form is erroneous and the injury analysis should be reworked for subject goods as a whole without distinction between said grades. In this regard, it has been noted that the product under consideration is caustic soda in its different forms. The injury analysis is for like article, however, for different forms have been analysed to understand the impact of the imports on its various forms.

55. The demand of subject goods has increased by approx. 13% in POI (July 06 to June 07) as compared to base year i.e. 2004-05. During this period, the domestic industry has increased capacity by 32% (281318 MT) and production by 17% (142832 MT). The capacity utilization (enhanced) however, declined to 87%. The sales (domestic, captive consumption and exports) increased by 98351 MT. The sales (including captive consumption) increased by 11% and by 13% (excluding captive

consumption). The estimate sales of other producers (estimate was provided by the applicant) also increased by 77765 MT. The average inventory measured in terms of sale days increased to 6 days in POI as compared to 5 days in base year.

56. The data indicate that domestic industry has improved its performance in terms of production and sale. The market share of the domestic industry has declined to 48%, however, the market share of other producers (authentic data is not available) also command 46% indicating that the domestic producers command approx. 95% share in the market. The unutilized capacity however indicate that the domestic industry has capacity to enhance the production to meet growing demand in the market.

57. The financial performance of domestic industry during the injury period shows improvement in terms of profit per unit (both for lye and solid form) and profits (PBIT). The return on capital employed shows considerable improvement and in the indexed form it improved by 42%.

58. The lego-economic parameters for analysing injury indicate that the domestic industry has improved its performance in volume and financial term during the injury period.

59. The interested parties (M/s Hanwha Chemicals Corporation, M/s Hanwha Corporation, Tricon Energy Ltd. and M/s Hindustan Unilever Ltd.) have raised the issue that the domestic industry has been coming before the Authority by including and excluding members of its Association to take part in the investigation based on circumstances and timing of the investigation. In this regard, the Authority has assessed cost audit reports of some other producers and noted that injury analysis for other producers cannot be conducted as the POI is for a period different from that reported in the cost audit reports. However, the non-injurious price were estimated on the basis of data available and it was found that the same is comparable as that one calculated on the basis of data of the participating producers of the domestic industry. It has been further noted that the participation of other producers would not make any difference as the participating producers data indicate improvement in the performance as analysed in the preceding paragraphs.

F. OTHERS KNOWN FACTORS AND CAUSAL LINK

Volume and prices of imports from other sources

60. It has been seen that total Imports from all countries increased from 59522 MT in 2004-05 to 1,33,950 MT in POI. It has also been noticed that some other countries have been attracting anti-dumping duty during the POI. The imports from other countries not attracting anti-dumping duty declined from 25359 MT to 2829 MT during the POI. The imports from other countries not attracting duty have actually declined, therefore, it does not appear to be factor affecting the performance of the domestic industry.

Contraction in demand and / or change in pattern of consumption

61. Demand of the product under consideration has increased by 13% during POI as compared to base year. Contraction in demand, therefore, is not a possible reason, which could be affecting the performance of the domestic industry.

Trade restrictive practices of and competition between the foreign and domestic producers

62. The subject goods are freely importable and there are no trade restrictive practices in the domestic market. Therefore, this factor could not be reason affecting the performance of the domestic industry.

Development of technology and export performance

63. Technology for production of the product is same for domestic industry and as used by the producers in the subject countries. Development in technology is not a factor which could affect the performance of the domestic industry.

64. The domestic industry has very small export activity. The export sale has increased by approx. 100% in POI as compared to base year. However, compared to domestic sale, it was only 3% in POI. The export performance, therefore, cannot be considered a factor affecting the performance of the domestic industry.

Productivity of the Domestic Industry

65. Productivity of the domestic industry measured as production per employee have improved considerably during POI as compared to base year.

G. LIKELIHOOD OF CONTINUANCE OF DUMPING AND INJURY

66. Submissions by the domestic industry on the continuation of recurrence of dumping

- a) Dumping margins from each of the countries are more than limits prescribed. Thus, product is continued to be exported at dumping prices.
- b) As per CMAI reports, capacity and production levels of Korean and Chinese producer has been as under:

MT	Korea	China PR
Demand	1,281,000	13,349,000
capacity	1,315,000	14,250,000
Surplus	34,000	901,000
Production	1,235,000	13,259,000

Given huge surplus, it is evident that the exporter would prefer to sell wherever it gets best possible prices.

- c) The present demand-spply situation in the world is as follows:

	Million MT
Demand	55.364
Capacity	63,383
Surplus	8.019

67. As there is surplus capacity in Korea and China PR as also on a worldwide basis, domestic industry submits that there is likelihood of significant exports from Korea and china to Indian market.

68. As per information published by respective Customs authorities, the producers from subject countries have exported significant volumes to a number of countries, which includes Australia, Canada, Malaysia, Philippines, Singapore, Thailand, South Africa, USA. The information is on the basis of data released by the respective customs authorities of these countries. Petitioner submits that the estimates of normal value provided earlier and these FOB export price would establish that

- Exports to third countries are at dumping prices;
- There is significant price difference inter-se countries. For example, in feb.'07, the price to Australia was US\$ 149, while the same was US\$ 243, 308, 255 and 310 for Canada, India, South Africa and USA respectively. Similar is the trend for other months. Evidently, the exporters are considered to sell the product at prevailing prices. The exporters do not have their own prices;
- There is no correlation between the export price and associated volumes. While sometime higher the volume, lower the price; at other times, higher the volumes, lower the prices. In fact, it may not be surprising to find lowest price alongwith lowest volumes. For example, exports to Canada was at US\$ 249 (2008 MT), while the same month, exports to India were at 308 (5077 MT), Thailand were at 250 (2013 MT) and USA were at 293 (7157 MT). Thus, volumes have no relationship with the prices.

Petitioner submits that this clearly establishes likelihood of intensified dumping in the event of revocation of anti-dumping duties. Should the present anti-dumping duties be revoked, the exporters would be constrained to sell at prevailing prices, in line with other international suppliers.

69. It has further been submitted by the applicant that responding exporter must establish that dumping is unlikely to continue in the event to revocation of duty. In this regard, a number of questions have been listed which should be asked to the exporter. It has also been submitted that unless exporter establishes on the basis of information that dumping unlikely to continue or intensify in the event of revocation of anti-dumping duties, it must be held that dumping would continue and intensify in the event of revocation of anti-dumping duties.

H. Likelihood of Continuation of Recurrence of Injury

Submissions by the domestic industry

70. While performance of the domestic industry was not very adverse during the current injury period, in any case, vulnerability of the domestic industry is established by deterioration after 2005-06. The following parameters show that injury to domestic industry is likely in case present anti-dumping duties are withdrawn.

1. Performance of the domestic industry improved up to 2005-06. Performance started deteriorating from 2006-07 with imports increasing significantly.

80-80/14038

2. Whereas the market share of the Indian producers remained almost the same between 2004-05 and 2005-06, the market share of the domestic industry and Indian producers declined and that of imports from various sources, including subject countries, increased in the current investigation period. The increase in market share of imports was in spite of increase in capacity and production and was a direct consequence of increase in imports during the current investigation period. This clearly establishes vulnerability of the domestic industry.
3. Performance of the domestic industry in terms of various price parameters, such as profits, return on investments and cash flow improved up to 2005-06 and deteriorated thereafter when imports from subject countries have shown significant increase.
4. All past investigations have shown that market for caustic soda is highly price sensitive and the imports are being made in view of the fact that the landed prices of imports have been lower than selling price of the domestic industry at that particular moment. So price sensitive the market is that a difference of Rs.500 PMT can lead to loss of order.
5. The subject goods are continuing to enter the Indian market from subject countries at dumping prices at prices below the selling price and non-injurious price of the domestic industry.
6. Exporters from the subject countries to other countries are at significantly dumped prices. The dumping margin in respect of other countries is at best higher than dumping margin in case of India. This clearly shows that the subject countries producer would prefer to sell higher volumes in Indian market as compared to other countries.
7. Comparison of export price from subject countries to third countries and prices of the domestic industry shows that prices prevailing in Indian market are significantly higher than the price at which material is exported to other countries.
8. The available information shows that the producers in both the subject countries are still left with unutilised capacities.
9. In a situation where a producer is fully utilizing its capacities, petitioner submits that the various price options with the producer would decide his sale options. Thus, the producer in subject countries would like to sell more in Indian market, given higher prices in the Indian market and competition which they are facing in its major markets such as Australia, South Africa, Singapore, Thailand, Malaysia, etc. It is relevant to note that the Designated Authority has earlier found that major exports of Taiwanese producer were to Australia, Korean producer competes with these global suppliers in major importing markets. Under the situation, higher Indian prices are naturally lucrative to the foreign producers.

71. Submissions by Interested Parties (M/s Hanwha Chemicals Corporation, M/s Hanwha Corporation, Tricon Energy Ltd. and M/s Hindustan Unilever Ltd.)

- a. Since there are continued exports from the subject countries, the Hon'ble Designated Authority must only examine, whether the exports are being made at dumped prices; and thus there is no need to assess the recurrence of dumping.
- b. Also, the petitioners have been securing an extension on continuation of anti-dumping duties on the subject goods exported from other countries (Iran, USA, Saudi Arabia, France, Japan, Qatar, Chinese Taipei, Indonesia, EU – Excluding

- France) on the basis of continued dumping or recurrence of dumping, whereby they have failed to show as to how they would raise the net realisation prices when they have failed to realise in this investigation.
- c. In view of the above, the interested parties submit that they did not practice dumping in the original investigation nor they have been dumping in the last five years or during the sunset review period of investigation. Therefore, there is no question of assessing/analysing recurrence or continuation of dumping based on third country exports within the facts of the case as regards the interested parties is concerned.
 - d. As regards injury is concerned, it has been admitted by the petitioners that they have been selling the subject goods at profits, which concludes that there is no price undercutting at least from exports made by the interested parties. It is also admitted by the petitioners that the interested parties have been selling the subject goods into India beyond the reference benchmark prices based on the domestic demand – supply situation considering that here was already a “NIL” rate of duty imposed on exports made by interested parties. Also the petitioners have been securing an extension or continuation of anti-dumping duties on the subject goods exported from other countries (Iran, USA, S. Arabia, France, Japan, Qatar, Chinese Taipei, Indonesia, EU – Excluding France) on the basis of continued dumping or recurrence of dumping, whereby they have failed to show as to how they would raise the net realisation prices when they have failed to realise in this investigation
 - e. The petitioners in their written submissions have requested the Hon'ble Designated Authority to call for information on similar lines as is required under the US and EC laws. In this regard, it is humbly submitted that there is no legal basis for seeking information in such a manner under the Indian Anti-dumping laws as they exist today and the US and EC practices are inapplicable in an investigation carried out under the Indian law.
 - f. Further, it is submitted that the request for revising the domestic industry application format and exporters and importers questionnaire format for sunset review investigations is a separate policy and should not be dealt with in the present proceedings. Such a request unnecessarily dilutes the focus of the investigation and shall be disregarded.
 - g. While the petitioners have exaggerated on the threat of injury, the imports from the subject countries are causing no such threat as much as claimed by the petitioners. The information as regards the exports of caustic soda from subject countries to other third countries using the customs data cannot be relied upon, as there is nothing to show that the basis of the pricing data and the unit of measurement (DMT/LMT) taken into consideration remains unknown.

Examination by the Authority

Causal Link, Likelihood of Continuance or Recurrence of Dumping and Injury

72. The imports from subject countries were not undercutting the price of the domestic industry in case DGCI&S data is relied upon, however, it was noticed that the imports from Korea ROK on the basis of data provided by cooperating exporter were higher than that reported by DGCI&S indicating the data of DGCI&S has not captured all imports and its prices. The other source of data is World Trade Atlas. The data from this source indicate that not only imports from China PR were substantially higher but also undercutting the domestic selling price in the range of 5-10%. The underselling, however, was in the range of 20-25%.

73. The current anti-dumping duty is in the form of reference price which was based on non-injurious price worked out on the basis of cost of production/sale of the domestic industry. During the course of five years the reference price became irrelevant in view of the fact that cost of sales have increased considerably.

74. As analysed in section C of the findings, there was no dumping from cooperating producer/exporter from Korea, however, in respect of China PR not only dumping, even the price undercutting continued. The import data also show that the share of China PR (as per DGCI&S data) increased to 68% in total imports during POI as compared to 0.1% in the base year

75. It has also been noted that the data reported in the World Trade Atlas in respect of China PR is considerably higher than that reported by the DGCI&S. It has further been noted that the values of the export reported in the World Trade Atlas is considerably lower than that reported in the DGCI&S. It is further noted that imports to India from China continue to increase in the post POI period. The prices of export to India is lower than the other countries.

76. In respect of Korea ROK, the data reported in the World Trade Atlas indicates that the prices from Korea ROK to other countries varies country-wise in the years 2005, 2006 and 2007. To one of the country, the export price is considerably lower than the export price to India.

77. The data of exports from subject countries as per WTA is as under:

**Import of Caustic Soda Lye (CSL) and Caustic Soda Flake (CSF) from China
(period July to June)**

	Unit	July 2005 – June 2006	July 2006 to June 2007	July 2007 to June 2008
CSL – India	KG	42852418	122480960	163656050
CSL – India	US\$/KG	.12	.16	.19
CSL – Australia	KG	249216433	279537273	279393946
CSL – Australia	US\$/KG	.13	.16	.19
CSL – Canada	KG	0	161922147	229981959
CSL – Canada	US\$/KG		.19	.26
CSL – United States	KG	114897330	151326434	215506896
CSL – United States	US\$/KG	.17	.15	.21
CSL – Taiwan	KG	41855211	39715832	58407568
CSL – Taiwan	US\$/KG	.19	.25	.28
CSL – Total World	KG	678595353	1065343783	1176242235
CSL – Total World	US\$/KG	.15	0.17	0.23
CSF - India	KG	20737800	18182025	12604250
CSF - India	US\$/KG	0.26	0.30	0.39
CSF - Bangladesh	KG	50128200	78332950	65096725
CSF - Bangladesh	US\$/KG	0.25	0.28	0.33
CSF - Vietnam	KG	39199930	51491873	58231000
CSF - Vietnam	US\$/KG	0.25	0.29	0.35
CSF - Nigeria	KG	37686425	32801000	29283800
CSF - Nigeria	US\$/KG	0.27	0.31	0.35
CSF - Brazil	KG	15380125	10386000	16538570

CSF - Brazil	US\$/KG	0.27	0.29	0.37
CSF - Pakistan	KG	18826400	1758000	8117090
CSF - Pakistan	US\$/KG	.27	0.28	0.34
CSF - US	KG	19935134	21018425	5893738
CSF - US	US\$/KG	0.34	0.35	0.41
CSF - World	KG	383134218	449800489	429072916
CSF - World	US\$/KG	.27	.30	.36

Import of Caustic Soda Lye (CSL) from South Korea (January to December)

	Unit	2005	2006	2007
CSL - India	KG	20517088	24849142	16236699
CSL - India	US\$/KG	0.29	0.27	0.30
CSL - Australia	KG	85939685	147676182	163189448
CSL - Australia	US\$/KG	.16	.19	.21
CSL - US	KG	75120097	74243035	66974735
CSL - US	US\$/KG	.29	.27	.33
CSL - Brazil	KG	9137878	19666616	17809667
CSL - Brazil	US\$/KG	.27	.23	.36
CSL - Canada	KG	2996893	5009261	15918977
CSL - Canada	US\$/KG	.25	.25	.31
CSL - Total World	KG	221960552	310592599	295745750
CSL - Total World	US\$ / KG	.24	.23	.26

78. The analysis of data of the cooperating exporter indicate that dumping from cooperating exporter was not there during the POI, however, the data of World Trade Atlas indicate that exports from Korea to other countries was at prices considerably different from India keeping in view the nature of the industry which is price sensitive and keep on fluctuating, the data indicate that there is every likelihood that exports to India can be at prices lower than that as reported in the POI and export may be effected at dumped prices.

79. In case of China the estimated dumping margin indicate that dumping has been continuing and prices to India were lower than that of other countries. There is no material on record which indicates that dumping would stop from China PR in case duty is withdrawn.

80. The present state of domestic industry shows improvement in the performance on volume and financial terms. It has been noted that the improvement in the performance has occurred during the currency of anti-dumping duty. It has also been noted that market for this product is subject to lot of fluctuation and is price-sensitive. At present, the domestic industry is left with some unutilized capacity and imports from China PR captured the market share in demand. In case duty is withdrawn, there is likelihood that the exports from subject countries would be effected at dumped prices impacting adversely the selling price of the domestic industry and consequently profitability and profits.

I. FINAL FINDINGS

81. The Authority after considering the foregoing concludes that:

- a. Subject goods originating in or exported from China PR has been exported to India below their normal value, resulting in dumping;
- b. The performance of domestic industry has improved during the continuation of anti-dumping duty on the subject goods;
- c. And discontinuation of anti-dumping duties on the subject goods from subject countries likely to continue (from China PR) and likely to recur (from Korea ROK) leading to the recurrence of injury to the domestic industry.

J. Indian industry's interest & other issues

82. The purpose of anti-dumping duties, in general, is to eliminate injury caused to the Domestic Industry by the unfair trade practices of dumping so as to re-establish a situation of open and fair competition in the Indian market, which is in the general interest of the country. Imposition of anti-dumping measures would not restrict imports from the subject countries in any way, and, therefore, would not affect the availability of the products to the consumers.

K. Recommendations

83. In view of positive determination of likelihood of dumping and injury on account of imports from subject countries the Authority is of the opinion that continuation of the measure is required against imports from subject countries. However, considering the current level of dumping from subject countries and performance of the domestic industry, the Authority is of the opinion that the measure in force needs to be revised. Therefore, Authority considers it necessary and recommends anti-dumping duty on imports of subject goods from subject countries in the form and manner described hereunder.

84. Having regard to the lesser duty rule followed by the authority, the Authority recommends imposition of definitive anti-dumping duty equal to the margin of dumping or margin of injury whichever is lesser, so as to remove the injury to the domestic industry. Considering that the duty in the original investigation was imposed on reference price basis the Authority recommends continuation of definitive antidumping duty, on all imports of subject goods originating in or exported from subject countries, as the difference between the reference price as indicated in Col 9 of the table below and the landed value, in case the landed value at the time of importation is below the value indicated at Col.9.

S. No	Sub-Heading	Description of Goods	Specification	Country of Origin	Country of Export	Producer	Exporter	Amount	Unit of Measurement	Currency
1	2	3	4	5	6	7	8	9	10	11
1.	281511 281512	Caustic soda	Caustic soda lye and caustic soda solid/flakes	Korea ROK	Korea ROK	M/s Hanwha Chemical Corporation	M/s Hanwha Corporation	Not applicable	DMT	USD
2.	-do-	-do-	-do-	Korea ROK	Korea ROK	M/s Hanwha	M/s Tricon Energy Ltd.,	Not applicable	-do-	-do-

						Chemical Corporation	USA			
3.	-do-	-do-	-do-	Korea ROK	Korea ROK	Any other than at S.No. 1 & 2 above		401.05	-do-	-do-
4.	-do-	-do-	-do-	Korea ROK	Any country other than Korea ROK	Any	Any	401.05	-do-	-do-
5.	-do-	-do-	-do-	Any country other than subject countries	Korea ROK	Any	Any	401.05	-do-	-do-
6.	-do-	-do-	-do-	China PR	China PR	Any	M/s Tricon Energy Ltd., USA	401.05	-do-	-do-
7.	-do-	-do-	-do-	China PR	China PR	Any other than at S.No.6 above		401.05	-do-	-do-
8.	-do-	-do-	-do-	China PR	Any country other than China PR	Any	Any	401.05	-do-	-do-
9.	-do-	-do-	-do-	Any country other than subject countries	China PR	Any	Any	401.05	-do-	-do-

85. Landed value of imports for the purpose shall be the assessable value as determined by Customs under the Customs Act, 1962 and all duties of customs except duties levied under Sections 3, 3A, 8B, 9 and 9A of the Customs Tariff Act, 1975.

86. An appeal against this order, after its acceptance by the Central Government, shall lie before the Customs, Excise and Service tax Appellate Tribunal in accordance with the relevant provisions of the Act.

R. GOPALAN, Designated Authority